छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 187 ■ अम्बिकापुर, रविवार 19 जुलाई 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

सत्यापन में किरायेदार निकला डकैत, मकान मालिक गिरफ्तार

किरायेदारों का पुलिस वेरिफिकेशन नहीं कराने पर वैधानिक कार्रवाई शुरू

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल के दिशा-निर्देशन में सरगुजा पुलिस ने मकान मालिकों को किरायेदारों का पुलिस वेरिफिकेशन कराने के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि किरायेदारों का वेरिफिकेशन नहीं कराने वाले मकान मालिकों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इसी क्रम में गांधीनगर में किरायेदारों का वेरिफिकेशन नहीं कराने वाले एक मकान मालिक के विरूद्ध एफआइआर दर्ज करके उसे गिरफ्तार किया है।

बता दें कि, मकान मालिकों को सहूलियत देते हुये पुलिस ने समाधान ऐप से घर बैठे ऑनलाइन सत्यापन कराने कहा गया है। सरगुजा पुलिस द्वारा प्रतिदिन मुसाफिरों, किरायेदारों

नागरिकों से अपील की है, वे अपने आसपास अवैध रूप से रह रहे, छिपकर रह रहे संदिग्ध व्यक्तियों, अवैध प्रवासी, मुसाफिरों के संबंध में सूचना प्राप्त होने पर तुरंत सरगुजा पुलिस के हेल्पलाइन नंबर

गांधीनगर में दर्ज हुई एफआईआर-थाना गांधीनगर अंतर्गत मकान मालिक द्वारा किरायेदार की सूचना नहीं देने एवं वेरिफिकेशन नहीं कराये जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने जांच में पाया कि, राहुल विश्वकर्मा 27 वर्ष, निवासी भट्ठी रोड ने सरगंवा गैस गोदाम के पास स्थित अपने मकान में कुछ व्यक्तियों को किराये पर रखा था, लेकिन निर्धारित शर्तों के अनुसार थाना गांधीनगर में कोई सूचना अथवा किरायेदार सत्यापन प्रस्तुत नहीं किया। इस पर थाना गांधीनगर में अपराध क्रमांक 455/26 धारा 223 बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध करके आरोपित मकान स्वामी को गिरफ्तार किया गया।

जिला दंडाधिकारी के आदेश की अवज्ञा-सत्यापन प्रक्रिया के दौरान यहां पुलिस ने पाया कि यहां 13 मई 2026 को देर रात 12.40 बजे, गांधीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घंघरी में गेरवानी नाला के पास आर्म्स एक्ट और डकैती की गंभीर घटना कारित करने वालों का भी ठिकाना है। इस संबंध में थाना गांधीनगर में अपराध क्रमांक 274/2026 धारा 126(2), 310(10) बीएनएस एवं 25, 27 आर्म्स एक्ट पंजीबद्ध है। मामले में मकान मालिक राहुल विश्वकर्मा द्वारा जिला दण्डाधिकारी, जिला सरगुजा के वैध आदेश की अवज्ञा करना पाया गया। पुलिस अग्रिम जांच, विवेचना करने में लगी है।

एवं संदिग्धों की पहचान हेतु सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है जिसकी प्रतिदिन मॉनिटरिंग की जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने आम

94791 93599 अथवा डॉयल 112, टोल फ्री नंबर 18002331905 पर सूचना दें। सूचना देने वाले की जानकारी पूर्णत: गोपनीय रखी जाएगी।

ऑफलाइन वेरिफिकेशन की सुविधा

ऑफलाइन पुलिस वेरिफिकेशन के लिए मकान मालिक अपने संबंधित थाना में जाकर किरायेदार सत्यापन फॉर्म भर सकते हैं। फॉर्म के साथ किरायेदार और मकान मालिक का पहचान प्रमाण पत्र, रेंट एग्रीमेंट और फोटो जमा करना होता है। यह प्रक्रिया बहुत आसान एवं तत्काल है।

बेनकाब हों पहचान छिपाकर रहने वाले, इसलिये वेरिफिकेशन जरूरी

डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल ने बताया कि कई अपराधी किसी अन्य शहर या राज्य में आपराधिक वारदात करके अपनी पहचान छिपाकर शहरों में किरायेदार बनकर रहते हैं। कई अपराधी मकान किराये पर लेकर शहर में वारदात करने के लिए रेकी करते हैं और मौका मिलते ही घटना को अंजाम देकर भाग जाते हैं। जब पुलिस पूछताछ करती है तो मकान मालिक के पास किरायेदार का फोटो, मोबाइल नंबर व सही पता नहीं होता। इससे अपराधी पुलिस की पकड़ से दूर हो जाता है।

वेरिफिकेशन के दौरान पुलिस टीम द्वारा किरायेदार का डिजिटल क्रिमिनल बैकग्राउंड चेक और भौतिक सत्यापन किया जाता है। इससे असामाजिक तत्वों को शहर में छिपने से रोका जा सकता है। बिना सूचना मकान किराए पर देना कानूनन अपराध है। किसी अवैध गतिविधि पर मकान मालिक को भी उतना ही जिम्मेदार माना जाएगा। आपातकालीन स्थिति या विवाद/अपराध की स्थिति में पुलिस को किरायेदारों का रिकॉर्ड मददगार साबित होता है।

घर बैठे करें डिजिटल वेरिफिकेशन- छत्तीसगढ़ पुलिस की पहल समाधान ऐप और सीसीटीएनएस पोर्टल, सिटीजन डॉट सीजी पुलिस डॉट जीओवी डॉट इन के जरिए किरायेदार सत्यापन अब बेहद आसान हो गया है। इसके लिये मकान मालिक को पते का प्रमाण वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस और स्वामित्व के कागजात, किरायेदार का आईडी प्रमाण, पैन कार्ड, वोटर आईडी, स्थायी पता, पासपोर्ट फोटो, रोजगार विवरण और रेंट एग्रीमेंट प्रस्तुत करना होगा। इसकी स्टेप-बाय स्टेप प्रक्रिया के तहत समाधान ऐप डाउनलोड करना होगा या पोर्टल पर ओटीपी के जरिए अकाउंट बनाना होगा। इसके बाद सिटीजन सर्विस में जाकर किरायेदार का सत्यापन चुनें। मकान मालिक, किरायेदार और 2 स्थानीय गवाहों की जानकारी दर्ज करके दस्तावेज व फोटो अपलोड कर सबमिट करें और पावती सुरक्षित रखें।

महुआ की गंध से आकर्षित हुये हाथी ने घर तोड़ा, भागे ग्रामीण को मार डाला

तेज बारिश के बीच पहुंचा हाथी, मृतक की पत्नी को 25 हजार तत्काल सहायता राशि मिली

छ.ग.फ्रंटलाइन राजपुर। वन परिक्षेत्र राजपुर के उप-परिक्षेत्र बरियों, परिसर रेवतपुर के वन कक्ष क्रमांक पी-2556 अंतर्गत हाथी के हमले में 17 जुलाई को एक ग्रामीण की मौत हो गई। प्रकरण में वन्य प्राणी क्षति प्राथमिक रिपोर्ट दर्ज करके वन अमले ने विवेचना में लिया, और मृतक के वैध उत्तराधिकारी उनकी धर्म पत्नी नगमतिया बाई को तत्कालिक सहायता राशि 25,000 रुपये प्रदान की गई। शेष 5 लाख 75 हजार रुपये मुआवजा राशि नियमानुसार कार्रवाई पूर्ण करके प्रदान की जायेगी।

वन परिक्षेत्राधिकारी, वन परिक्षेत्र राजपुर ने बताया कि पिछले 3-4 माह से 4 जंगली हाथियों का भ्रमण उप-परिक्षेत्र बरियों, परिसर रेवतपुर के वन कक्ष के आस-पास क्षेत्र में हो रहा था। इनमें से एक जंगली हाथी दल से अलग होकर 17 जुलाई को रात्रि लगभग 9 बजे ग्राम रेवतपुर नवापारा की ओर आया,

और बालमसाय टेकाम के मकान के पास मकान के पिछले हिस्से में रखे महुआ की गंध से आकर्षित होकर घर के उस हिस्से को तोड़ना शुरू कर दिया। उस समय घर के अंदर मृतक बालमसाय टेकाम, उनकी पत्नी और एक छोटी बच्ची मौजूद थे। इस घटना के सामने आने के बाद वन कर्मचारी एवं मित्र दल के सदस्यों द्वारा जंगली हाथियों की निगरानी एवं ग्रामीणों को हाथियों से दूर रहने की समझाइश देते हुए जागरूकता हेतु प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। घटना क्षेत्र में सायंकाल से पूरी रात लगातार भ्रमण कर ग्रामीणों को समझाइश देते हुए हाथियों की निगरानी की जा रही है।

बारिश-अंधेरे के बीच 150 मीटर लगाया दौड़, नहीं बची जान

सूचना पर वन कर्मचारी एवं हाथी मित्र दल के 6 सदस्य तथा कुछ ग्रामीण घटनास्थल के समीप पहुंचे। उन्होंने पाया कि रात में लगभग 9.30 बजे बालमसाय टेकाम घर से बाहर निकलकर भागते रोड के किनारे लगभग 150 मीटर तक गया। रात में कम दिखाई देने, तेज बारिश होने के कारण वह कुछ समझ नहीं पाया और उसका सामना एक जंगली हाथी से हो गया, और हाथी के हमले में ग्रामीण की मौत हो गई थी। घटना उपरांत हाथी जंगल की ओर चले गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मर्ग इंटीमेशन उपरांत शव परीक्षण की कार्रवाई की गई थी।

पके आम एवं कटहल कर रहे हाथियों को आकर्षित

वन अमले का मानना है कि, वर्तमान में पके हुए आम एवं पके हुए कटहल के कारण आकर्षित होकर जंगली हाथी रिहायसी क्षेत्रों में आ रहे हैं। इस पर ग्रामीणों को लगातार जंगली हाथी से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की समझाइश दी जा रही है। हाथी प्रभावित ग्रामों में वन अधिकारी-कर्मचारी द्वारा लगातार ग्रामीणों से अपील की जा रही है कि जंगली हाथियों के प्रवास के समय अनावश्यक भीड़ न करें, आवश्यक दूरी बनाएं और जंगल की ओर नहीं जाएं। साथ ही जंगली हाथियों के आने पर तत्काल वन विभाग को सूचित करने कहा गया है।

बरसात में आदिवासी परिवारों के घर को जेसीबी से तोड़ने से भड़के पूर्व विधायक

ग्रामीणों ने कहा-जमीन पर कब्जा करने पहुंचे लोगों ने विरोध पर डंडा चलाया

कलेक्टर-एसपी के संज्ञान में मामला आने के बाद जांच होने तक कब्जे पर लगी रोक

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सूरजपुर जिले के प्रतापपुर विकासखंड के ग्रामों से आए लगभग 40-45 भुइयां अनुसूचित जनजाति परिवारों का प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को पूर्व विधायक एवं पूर्व अध्यक्ष, अनुसूचित जनजाति आयोग छत्तीसगढ़ राज्य भानु प्रताप सिंह से मुलाकात करके न्याय की गुहार लगाया। पीड़ित परिवारों ने बताया कि उनके पास प्रतापपुर क्षेत्र में लगभग 2.50 एकड़ पुश्तैनी कृषि भूमि है, जिस पर वे पिछले कई दशकों से खेती-किसानी कर अपना जीवन यापन कर रहे हैं। आरोप है कि वर्ष 2011-12 में भूमि बंटवारे और सरकारी योजना का झांसा देकर कुछ लोगों ने धोखे से उनकी जमीन के दस्तावेजों पर अंगूठा लगवा लिया था और बाद में रजिस्ट्री किसी अन्य व्यक्ति के नाम करा ली गई।

करीब 14-15 वर्ष बाद संबंधित लोग अचानक भारी संख्या में जेसीबी मशीन लेकर जमीन पर कब्जा करने पहुंचे, तब ग्रामीणों ने विरोध किया। पीड़ितों का आरोप है कि इस दौरान महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया गया, जातिसूचक गाली-गलौज की गई और विरोध करने पर लाठी-डंडों से मारपीट भी की गई। सबसे दर्दनाक मंजर तब सामने आया, जब मूसलाधार बारिश के बीच जेसीबी चलाकर पीड़ित परिवारों के कच्चे मकान, रसोई सहित पूरे सामानों को तहस-नहस कर दिया गया। वर्तमान में छोटे-छोटे बच्चे, गर्भवती महिलाएं और बुजुर्ग खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। लगातार बारिश के कारण भोजन बनाना, बच्चों की पढ़ाई और बीमारों का इलाज तक मुश्किल हो गया है। पीड़ित परिवारों ने कहा कि उनके पास न तो सिर छिपाने की जगह है और न ही खाने के लिए अनाज।

कलेक्टर-एसपी के संज्ञान में लाया मामले को

पीड़ितों की व्यथा सुनने के बाद भानु प्रताप सिंह ने मामले को बेहद गंभीर बताते हुए तत्काल कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक सूरजपुर से दूरभाष पर चर्चा की। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि उनके कार्यालय से संबंधित भूमि पर कब्जा दिलाने का कोई आदेश जारी नहीं हुआ है। उन्होंने तहसीलदार और थाना प्रभारी को संयुक्त रूप से जांच कर 7 दिवस के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने और जांच पूर्ण होने तक यथास्थिति बनाए रखने एवं किसी भी प्रकार के कब्जे पर रोक लगाने के निर्देश दिए।

एसपी ने जांच के बाद कड़ी कार्रवाई करने कहा

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि प्रारंभिक जांच में यदि अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध बनता है तो आरोपियों के विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पीड़ित परिवारों को सुरक्षा उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया।

कमजोर वर्गों पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं

पूर्व विधायक भानु प्रताप सिंह ने कहा कि संविधान ने आदिवासियों को जल, जंगल और जमीन के साथ विशेष संवैधानिक सुरक्षा दी है। उनकी पुश्तैनी जमीन हड़पना, उन्हें अपमानित करना और बेघर करना सीधे-सीधे संविधान पर हमला है। बरसात के मौसम में जेसीबी चलाकर गरीब आदिवासी परिवारों को बेघर कर देना यह दर्शाता है कि कुछ लोग कानून को हाथ में लेकर कमजोर वर्गों पर अत्याचार करना चाहते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि, आदिवासियों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषियों पर कठोर कार्रवाई के साथ पीड़ित परिवारों को तत्काल तिरपाल, राशन, पेयजल, चिकित्सा सुविधा और अस्थायी आवास उपलब्ध कराया जाए।

समाज के लोगों में न्याय की उम्मीद बढ़ी

भुइयां समाज के बुजुर्गों ने पूर्व विधायक भानु प्रताप सिंह के द्वारा ली गई गरीबों की सुध को सराहा, और विश्वास व्यक्त किया है कि अब उन्हें न्याय मिलेगा और जमीन वापस मिलेगी। ग्रामीणों की बात सुनने के बाद पूर्व विधायक ने मामले की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच, दोषियों पर एससी, एसटी एक्ट के तहत कार्रवाई करने, पीड़ित परिवारों का तत्काल पुनर्वास और राहत प्रदान करने, पुश्तैनी भूमि पर पीड़ितों का कब्जा सुरक्षित करने की मांग की है।

'पेपर लीक' मामले ने विद्यार्थियों की मेहनत और सपनों पर पानी फेरा

छात्रों की गूंज कार्यक्रम अंतर्गत बदहाल शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ आवाज बुलंद

युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई ने युवाओं तक पहुंच बनाने चलाया वृहद अभियान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। 'छात्रों की गूंज' अभियान को आदित्येश्वर शरण सिंह देव के मार्गदर्शन में जिले चलाया जा रहा है। इसी क्रम में युवा कांग्रेस ने जिले के विभिन्न छात्रावासों, कोचिंग संस्थानों एवं एकेडमियों में विद्यार्थियों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुना तथा देश की बदहाल शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ आवाज बुलंद की। छात्रों से उनके विचारों को जाना, कि वे कैसी शिक्षा चाहते हैं, इसके लिए उनका रजिस्ट्रेशन भी कराया गया।

युवा कांग्रेस आरटीआई सेल के चेयरमैन हिमांशु जायसवाल एवं विश्वविद्यालय अध्यक्ष सुरेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में विद्यार्थियों से मिलकर लगातार हो रहे पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में अनियमितता, रोजगार

की कमी और शिक्षा व्यवस्था की गिरती गुणवत्ता को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। इन्होंने कहा एक ओर छात्र दिन-रात मेहनत कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, दूसरी ओर लगातार पेपर लीक की घटनाएं उनकी मेहनत और सपनों पर पानी फेर रही हैं।

देश की शिक्षा व्यवस्था आईसीयू में-विश्वविद्यालय अध्यक्ष सुरेंद्र गुप्ता ने कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था आज आईसीयू में पहुंच चुकी है। शिक्षा का स्तर लगातार गिर रहा है, युवाओं का भविष्य असुरक्षित होता जा रहा है और सरकार केवल बड़े-बड़े दावे करने में व्यस्त है। यदि समय रहते शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार नहीं किए गए, तो आने वाली पीढ़ियों का भविष्य गंभीर संकट में पड़ जाएगा।

छात्रों को मुआवजा दे सरकार-हिमांशु जायसवाल ने कहा कि आज देश का छात्र अपने भविष्य को लेकर सबसे अधिक चिंतित है पर शिक्षा मंत्री व्यस्त हैं। नीट के पेपर लीक से जिन छात्रों का जीवन बर्बाद हुआ है उनको सरकार की तरफ से मुआवजा मिलना चाहिए, साथ ही एनटीए को हटाकर और पारदर्शी तरीके से परीक्षा करवानी चाहिए। एक साल में नीट के परीक्षार्थी जितनी फीस कोचिंग और परीक्षा देने में खर्च करते हैं उतना ही देश का शिक्षा बजट है।

दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि इन गंभीर मुद्दों पर सरकार पूरी तरह मौन बनी हुई है। 'छात्रों की गूंज' अभियान के माध्यम से छात्रों की आवाज को गांव-गांव, शहर-शहर और सरकार तक पहुंचाना सुनिश्चित किया गया है। छात्र हितों की रक्षा, पेपर लीक पर कठोर कानून, पारदर्शी परीक्षा प्रणाली तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की मांग को लेकर युवा कांग्रेस का लगातार संघर्ष जारी रहेगा। कार्यक्रम में गौतम गुप्ता, आयुष गुप्ता, प्रमोद जायसवाल, सत्यम यादव, वैभव पांडेय उपस्थित रहे।

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026 ISO 9001: 2015 CERTIFIED
बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।
डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद
समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा
बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

डाक कर्मचारियों का राष्ट्रव्यापी आंदोलन कल से, 18 अगस्त से अनिश्चित कालीन हड़ताल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारतीय डाक कर्मचारी महासंघ और भारतीय डाक मजदूर संघ ग्रुप सी ने कर्मचारियों पर बढ़ते टारगेट, अनवांछित कार्यों और मानसिक शोषण के विरोध में राष्ट्रव्यापी आंदोलन का ऐलान किया है। इनके द्वारा चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करने की रूपरेखा तय कर ली है। वहीं सरगुजा संभाग, अंबिकापुर के भारतीय डाक मजदूर संघ ग्रुप सी ने भी बीते 9 जुलाई को अधीक्षक डाकघर को पत्र लिखकर आंदोलन में शामिल होने की सूचना दे दी है।

61 लाख का जयनगर थाना भवन निर्माण के दौरान ही विवादों में

छत पर रुक रहा बारिश का पानी, गुणवत्ता पर उठे गंभीर सवाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। क्षेत्र में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से लगभग 61 लाख रुपए की लागत से बन रहे जयनगर थाना के नवीन भवन का निर्माण कार्य सवालों के घेरे में आ गया है। जिस भवन से भविष्य में पुलिस व्यवस्था को नई मजबूती मिलने की उम्मीद थी, उसी भवन में निर्माण के दौरान ही ऐसी खामियां सामने आने लगी हैं, जिन्होंने निर्माण गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं।जानकारी के अनुसार तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर के करकमलों से इस बहुप्रतीक्षित थाना भवन का भूमिपूजन कर निर्माण कार्य शुरू कराया गया था। भवन का निर्माण पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन बोर्ड द्वारा स्वीकृत लगभग 61 लाख रुपए की लागत से कराया जा रहा है, जबकि निर्माण की जिम्मेदारी अन्नपूर्णा इंटरप्राइजेज सूरजपुर को सौंपी गई है। लेकिन निर्माण

कार्य पूरा होने से पहले ही सामने आई तकनीकी खामियां अब लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गई हैं। इन दिनों लगातार हो रही बारिश ने निर्माण कार्य की वास्तविक स्थिति उजागर कर दी है। भवन की छत पर बारिश का पानी जमा हो रहा है। सामान्य तौर पर किसी भी भवन की छत को इस प्रकार तैयार किया जाता है कि पानी आसानी से निर्धारित पाइपों या ढाल के माध्यम से बाहर निकल जाए, लेकिन यहां छत पर पानी लंबे समय तक ठहरा हुआ दिखाई दे रहा है। लोगों का कहना है कि यदि नई छत पर ही पानी जमा होने लगे तो यह निर्माण में तकनीकी खामी का स्पष्ट संकेत है। लोगों का सवाल है कि जब भवन अभी पूरी तरह तैयार भी नहीं हुआ है और ऐसी स्थिति बन गई है, तो आने वाले वर्षों में इसकी मजबूती और सुरक्षा कितनी टिकाऊ रहेगी। छत पर लगातार पानी जमा रहने से कंक्रीट की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। इससे छत में सीपेज, प्लास्टर उखड़ना, सरियों में जंग लगना, दरारें पड़ना और भवन की आयु कम होने जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। यदि समय रहते इन कमियों को दूर नहीं किया गया तो भविष्य में लाखों रुपए खर्च कर मरम्मत करानी पड़ सकती है। लोगों का कहना है कि यह भवन सरकारी धन से बन रहा है और इसका उपयोग वर्षों तक पुलिस प्रशासन द्वारा किया जाएगा। ऐसे में निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती है। सार्वजनिक निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, क्योंकि यह सीधे जनता के टैक्स के पैसे से तैयार किए जाते हैं। ऐसे में निर्माण की गुणवत्ता को लेकर एजेंसी की कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में है। यदि निर्माण मानकों के अनुरूप कार्य नहीं किया गया है तो इसकी स्वतंत्र तकनीकी जांच कराई जानी चाहिए और दोषी पाए जाने पर संबंधित एजेंसी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। लोगों ने पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन और जिला प्रशासन से मांग की है कि भवन का विशेषज्ञ इंजीनियरों से तकनीकी निरीक्षण कराया जाए। यदि निर्माण में कहीं भी मानकों की अनदेखी पाई जाती है तो संबंधित ठेकेदार से सभी कमियों को दूर कराया जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की दुर्घटना या सरकारी धन की बर्बादी न हो।

करवां मिडिल स्कूल में शिक्षिका ने जन्मदिन पर कराया न्योता भोज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

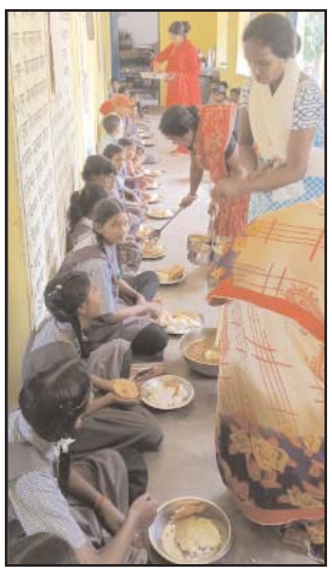

बिश्रामपुर। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला करवां में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना अंतर्गत न्योता भोज कार्यक्रम किया गया। विद्यालय में पदस्थ शिक्षिका श्रीमती आरती दुबे ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर न्योता भोज कार्यक्रम कराया। साथ ही सभी अतिथियों एवं बच्चों के साथ मिलकर केक काटकर अपना जन्मदिन मनाया।

अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों के साथ बैठकर प्रेम एवं अपनत्व के साथ भोजन ग्रहण किया गया। न्योता भोज के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि समाज और परिवार को जोड़ने वाला सशक्त माध्यम भी है। इस अवसर पर विद्यालय में संचालित विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा स्कूल चलें हम अभियान के उद्देश्यों की जानकारी भी अभिभावकों को दी गई। अतिथियों ने विद्यालय के प्रत्येक बच्चे का नियमित नामांकन एवं उपस्थिति सुनिश्चित कराने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रधानपाठक निर्मला कुजूर, संकुल समन्वयक मो. मोबिनउद्दीन अंसारी, शिक्षक बीआर राजवाड़े, श्रीमती पार्वती भगत, श्रीमती रुबी सिंह, दीप्ति भगत, बद्री प्रसाद एक्का, जयदेव पैकरा व अन्य उपस्थित थे।

नशीला पदार्थ पिलाकर सामूहिक दुष्कर्म का आरोप, पीड़िता ने दर्ज कराई रिपोर्ट

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जयनगर थाना क्षेत्र से एक बेहद गंभीर और सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक महिला ने दो परिचित युवकों पर नशीला पदार्थ पिलाकर सामूहिक दुष्कर्म करने और उसके बाद अचेत अवस्था में सड़क किनारे फेंक देने का आरोप लगाते हुए जयनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने उसे कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया, जिससे वह बेहोश हो गई। होश आने के बाद उसे अपने साथ हुई घटना की जानकारी मिली और उसने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। शिकायत के अनुसार एक महिला 3 जुलाई को महतारी वंदन योजना की राशि लेने के लिए घर से निकली थी। वह राष्ट्रीय राजमार्ग 43 पर वाहन का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान गांव का परिचित मोटरसाइकिल से वहां पहुंच साथ चलने की बात कही। कुछ देर बाद वह अपने एक अन्य परिचित युवक के साथ कार में पहुंचा। दोनों पहले से परिचित होने के कारण महिला बिना किसी संदेह के कार में बैठ गई। पीड़िता का आरोप है कि कार में बैठने के बाद दोनों ने उसे पीने के लिए कोल्ड ड्रिंक दिया। कोल्ड ड्रिंक पीते ही उसे चक्कर आने लगे और वह बेहोश हो गई। इसके बाद उसके साथ क्या हुआ, उसे कुछ भी याद नहीं है। शिकायत में बताया गया है कि उसी दिन शाम करीब 7 बजे आरोपियों ने उसे स्कूल के पास अचेत अवस्था में कार से उतारकर छोड़ दिया। वहां से गुजर रहे लोगों ने उसे बेसुध हालत में देखकर घर पहुंचाया। उस समय उसके पति घर पर नहीं थे। महिला की हालत में सुधार नहीं होने पर अगले दिन परिजन उसे अंबिकापुर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका उपचार शुरू हुआ। पीड़िता के अनुसार इलाज के दौरान शाम को उसे कुछ होश आया, लेकिन मानसिक स्थिति सामान्य नहीं थी। उसने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल में उसकी असामान्य स्थिति को देखते हुए उसके हाथ बांधकर रखे गए थे। इसी बीच 6 जुलाई को वह बिना किसी को बताए अस्पताल से निकल गई थी। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई। बाद में 9 जुलाई को होश आने पर वह दोबारा जिला अस्पताल पहुंची। स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद उसने अपने परिजनों को पूरी घटना बताई और आरोप लगाया कि दो आरोपियों ने नशीला पदार्थ पिलाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। उसने यह भी आरोप लगाया कि घटना के दौरान उसके गले में पहना सोने का मंगलसूत्र और कान के दो टॉप्स भी गायब हो गए हैं। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने विवेचना शुरू कर दी है।

भाजयुमो जीपीएम जिला का जिला प्रभारी बने रविन्द्र

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव व प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी की सहमति से भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा द्वारा युवा मोर्चा के संभाग प्रभारी और जिला प्रभारी की घोषणा की गई है। जिसमें रविंद्र भारती को बिलासपुर संभाग के गौरेला पेंड्रा मरवाही जिला प्रभारी नियुक्त किया गया है। रविंद्र भारती पूर्व में सूरजपुर जिले के लटोरी मंडल के अध्यक्ष और सूरजपुर युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष रह चुके हैं। वर्तमान में भाजयुमो के प्रदेश पदाधिकारी के रूप में प्रदेश खेल एवं कला प्रमुख के दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। भारती ने कहा है संगठन द्वारा जिम्मेदारी दी गई, उसे सभी उच्च पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ सामंजस्य स्थापित कर बेहतर तरीके से पूर्ण करने प्रयास करूंगा।

खेत में यूरिया डालने गए युवक की गाज की चपेट में आने से मौत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। मानसून के बीच खेतों में काम कर रहे एक युवक की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई है।

गौरतलब है कि धान की बेहतर फसल की उम्मीद लेकर खेत में यूरिया डालने गए ग्राम पंचायत कल्याणपुर निवासी 26 वर्षीय युवक कुंजबिहारी पिता सुखराम चेरवा शुक्रवार को ग्राम पंचायत छत्तरपुर और कल्याणपुर की सीमा पर स्थित अपने खेत में गया था। शाम करीब 4 बजे अचानक मौसम ने करवट ली। देखते ही देखते आकाशीय बिजली की चपेट में आने से कुंजबिहारी की मौत हो गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े, लेकिन तब तक युवक गंभीर रूप से झुलस चुका था। उसे बचाने का प्रयास किया गया, परंतु उसकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही गांव में मातम पसर गया। सूचना मिलने पर लटोरी पुलिस मौके पर पहुंच आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव पंचनामा उपरांत शनिवार को पीएम उपरांत शव को परिजन के सुपुर्द कर दिया है। मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। कुंजबिहारी की असमय मौत से पूरे कल्याणपुर क्षेत्र में शोक का माहौल है।

स्थानांतरण पर डीआईजी प्रशांत कुमार ठाकुर को पुलिस परिवार ने दी विदाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। डीआईजी/एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर का स्थानान्तरण पुलिस मुख्यालय रायपुर में होने एवं नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल के जिले में पदभार संभालने पर पुलिस परिवार द्वारा विदाई एवं स्वागत सम्मान समारोह का आयोजन शुक्रवार को नगर के ऑफिसर्स क्लब में किया गया। समारोह में पुलिस परिवार, जिला प्रशासन ने डीआईजी/एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के सफल, अनुकरणीय एवं जनसेवामुखी कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य एवं नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ ही नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल का स्वागत किया गया। इस अवसर पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश आनंद प्रकाश वारियाल ने कहा कि श्री ठाकुर अपने कार्यकाल में जिस समर्पण, अनुशासन और दूरदर्शिता के साथ कार्य किया। उन्होंने केवल कानून व्यवस्था को सुदृढ़ नहीं किया, बल्कि पुलिस और जनता के बीच विश्वास का एक मजबूत सेतु भी बनाया। उनकी सबसे बड़ी विशेषता उनका सहज, सरल और प्रेरणादायी व्यक्तित्व रहा। उन्होंने हमेशा टीम भावना से कार्य करने के लिए प्रेरित कर अच्छी सफलताएं हासिल की। उन्होंने कहा कि नई जिम्मेदारी में भी इसी ऊर्जा, निष्ठा और कार्यकुशलता के

साथ नई ऊंचाइयां प्राप्त करें।कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने कहा कि प्रशासन एवं पुलिस के बेहतर समन्वय से जिले में कानून व्यवस्था, जनकल्याण और विकास कार्यों को नई गति मिली। उन्होंने श्री ठाकुर के नेतृत्व, कार्यकुशलता एवं जनसेवा के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उनका कार्यकाल जिले के लिए प्रेरणादायी रहा है। पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने कहा कि डीआईजी प्रशांत कुमार ठाकुर के नेतृत्व में सूरजपुर पुलिस ने कई उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उनके मार्गदर्शन में अनुशासित कार्य, प्रभावी पुलिसिंग और जनविश्वास को नई मजबूती मिली। उन्होंने कहा कि श्री ठाकुर द्वारा स्थापित उत्कृष्ट कार्य प्रणाली एवं जनसेवा की भावना को आगे भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ जारी रखेंगे।कार्यक्रम को सीईओ जिला पंचायत विजेन्द्र सिंह पाटले, डीएफओ डीपी साहू ने भी संबोधित किया। मंच का संचालन निरीक्षक जावेद मियादाद ने किया।अंत में जिले से विदा हो रहे डीआईजी प्रशांत कुमार ठाकुर ने कहा कि सूरजपुर में मिला स्नेह, विश्वास और सहयोग उनके लिए सदैव अविस्मरणीय रहेगा। जिले में कार्यकाल के दौरान प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी ने पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं टीम भावना के साथ कार्य किया, जिसके परिणामस्वरूप कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने, अपराध नियंत्रण, सामुदायिक पुलिसिंग, साइबर अपराधों की रोकथाम, नशा मुक्ति जनजागरूकता अभियान सहित अनेक जनहितकारी पहलों को सफलतापूर्वक संचालित किया जा सका। उन्होंने कहा कि सूरजपुर पुलिस की सबसे बड़ी ताकत उसकी टीम भावना है और इसी समर्पण के कारण जनता का विश्वास लगातार मजबूत हुआ है। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी पूरी ईमानदारी, संवेदनशीलता एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करते रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर डीआईजी श्री ठाकुर की धर्मपत्नी, पुत्र, एसडीएम द्वय शिवानी जायसवाल, चांदनी कंवर, ललिता भगत, अजय कोसाम, सीएसपी बेनार्ड कुजूर, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, एसडीओपी द्वय राजेश जोशी, अनूप एक्का, एसडीओपी अभिषेक पैकरा, सभी थाना-चौकी प्रभारी व जिला पुलिस कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

कलेक्टर के मार्गदर्शन में एग्रीस्टैक पंजीयन अभियान को मिली गति

★ डोर-टू-डोर संपर्क और विशेष शिविरों के माध्यम से किसानों का किया जा रहा पंजीयन
★ अब तक एग्रीस्टैक से जुड़े 87 हजार 332 किसान
★ कृषि योजनाओं और डिजिटल सेवाओं तक आसान पहुंच की पहल

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में जिले में एग्रीस्टैक पंजीयन अभियान को गति प्रदान करते हुए डोर-टू-डोर संपर्क एवं विशेष शिविरों के माध्यम से किसानों का पंजीयन सुनिश्चित किया जा रहा है। ताकि पात्र किसान का समयबद्ध पंजीयन कर उन्हें एकीकृत डिजिटल किसान पहचान उपलब्ध कराना है, जिससे शासन की विभिन्न कृषि योजनाओं, अनुदान, फसल बीमा, किसान सम्मान निधि तथा अन्य डिजिटल कृषि सेवाओं का लाभ किसानों तक अधिक पारदर्शी एवं सुगमता से पहुंचाया जा सके।

इसी कड़ी में ग्राम पंचायतों व नगरीय निकायों में किसानों से डोर टू डोर संपर्क कर एवं शिविर आयोजित कर पंजीयन किया जा रहा है ग्राम मानिकपुर में अधिकारियों एवं मैदानी अमले द्वारा घर-घर पहुंचकर किसानों से संपर्क किया गया। इसी प्रकार नगर पालिका रामानुजगंज में विशेष शिविर आयोजित कर किसानों का एग्रीस्टैक पंजीयन किया गया।विकासखंड शंकरगढ़ के ग्राम दोहना एवं कुसमी के ग्राम जवाहरनगर में शिविर मोड में एग्रीस्टैक पंजीयन किया गया। इसी प्रकार ग्राम बचवार में किसान पंजीयन के साथ-साथ बकेट क्लेम का कार्य भी किया गया। ग्राम कोठली में शिविर के माध्यम से किसानों का पंजीयन निरंतर जारी है। वाड्रफ़नगर के ग्राम पंडरी में भी विशेष शिविर लगाकर एग्रीस्टैक पंजीयन का कार्य किया गया।शिविर के माध्यम से एक दिवस में 1177 किसानों का एग्रीस्टैक पंजीयन किया गया है। और अब तक जिले में कुल 87332 किसानों का एग्रीस्टैक पंजीयन किया जा चुका है।

एग्रीस्टैक पंजीयन से किसानों को एकीकृत डिजिटल किसान पहचान प्राप्त होगी, जिससे शासन की विभिन्न कृषि योजनाओं, अनुदान, फसल बीमा, किसान सम्मान निधि एवं अन्य डिजिटल कृषि सेवाओं का लाभ अधिक पारदर्शी, सरल और समयबद्ध तरीके से मिल सकेगा।

किसानों के पंजीयन के लिए सफल संचालन के लिए राजस्व, कृषि एवं पंचायत विभाग का मैदानी अमला समन्वय के साथ कार्य कर रहा है। किसानों को पंजीयन प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए डोर-टू-डोर संपर्क, ग्राम स्तर पर जनजागरूकता तथा शिविरों के माध्यम से लगातार प्रेरित किया जा रहा है। विशेष रूप से दूरस्थ क्षेत्रों के किसानों को भी पंजीयन से जोड़ने के लिए मैदानी दल सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।

जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे आधार कार्ड, मोबाइल नंबर तथा आवश्यक भूमि संबंधी दस्तावेजों के साथ अपने निकटतम सीएससी, तहसील कार्यालय, शिविर में पहुंचकर एग्रीस्टैक पंजीयन अवश्य कराएं। इससे भविष्य में कृषि योजनाओं का लाभ प्राप्त करने, डिजिटल सेवाओं का उपयोग करने तथा किसान संबंधी अभिलेखों के अद्यतन एवं सत्यापन की प्रक्रिया और अधिक सरल एवं सुगम होगी।

यातायात उल्लंघन पर तीन ऑटो के विरुद्ध कार्रवाई, दो वाहन जब्त एवं एक पर 3 हजार रुपये का लगाया गया जुर्माना

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में जिले में सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने, यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने तथा बिना वैध दस्तावेजों के संचालित वाहनों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से परिवहन एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त जांच अभियान लगातार चलाया जा रहा है। अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर वाहनों की सघन जांच कर उनके पंजीयन, फिटनेस, बीमा, परमिट, ड्राइविंग लाइसेंस सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में रामानुजगंज क्षेत्र में परिवहन एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा विशेष जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान तीन ऑटो वाहनों में आवश्यक दस्तावेजों की कमी एवं नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की गई। दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने के कारण दो ऑटो वाहनों को जब्त किया गया तथा एक ऑटो चालक पर मोटरयान अधिनियम के तहत 3,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

परिवहन विभाग ने सभी वाहन स्वामियों एवं चालकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों के पंजीयन प्रमाणपत्र, फिटनेस, बीमा, परमिट, प्रदूषण प्रमाणपत्र एवं ड्राइविंग लाइसेंस सहित सभी आवश्यक दस्तावेज अद्यतन रखें तथा वाहन चलाते समय साथ रखें और यातायात नियमों का पालन करें। साथ ही उन्होंने कहा है कि नियमो के उल्लंघन बिना वैध दस्तावेजों के वाहन संचालन, यातायात नियमों की अनदेखी तथा यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में नियमानुसार सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

बैगलेस डे पर विद्यालयों में गूंजा स्वच्छता का संदेश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। संकुल जयनगर शिक्षा अंतर्गत शनिवार को आयोजित बैगलेस डे के अवसर पर सभी विद्यालयों में स्वच्छ शौचालय, स्वस्थ बचपन थीम पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत विद्यालय परिसर एवं शौचालयों की साफ-सफाई कर विद्यार्थियों को स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश दिया गया।कार्यक्रम में सुरजपुर विकासखंड शिक्षा अधिकारी हरेंद्र कुमार सिंह, जनपद सदस्य श्रीमती धनेश्वरी, सरपंच श्रीमती राधा बाई, शाला प्रबंधन समिति के सदस्य, संकुल समन्वयक नेल्सन ब्रेक सहित अन्य शामिल हुए। सभी ने श्रमदान कर विद्यालय परिसर को स्वच्छ एवं आकर्षक बनाने में अपना योगदान दिया। विकासखंड शिक्षा अधिकारी हरेंद्र सिंह ने कहा कि स्वच्छ विद्यालय ही स्वस्थ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का आधार है। बच्चों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। स्वच्छ शौचालय बच्चों के स्वास्थ्य, गरिमा और नियमित विद्यालय उपस्थिति के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। बैगलेस डे बच्चों में केवल व्यावहारिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि श्रम का सम्मान, अनुशासन, सहयोग और सामाजिक दायित्व की भावना भी विकसित करता है। यदि प्रत्येक विद्यालय और प्रत्येक विद्यार्थी स्वच्छता को अपनी आदत बना लें, तो स्वच्छ भारत का सपना साकार होने में देर नहीं लगेगी।उन्होंने सभी विद्यार्थियों से प्रतिदिन विद्यालय एवं अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

अभियान के अंत में सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने स्वच्छ विद्यालय-स्वस्थ विद्यार्थी का संकल्प लेते हुए स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की शपथ ली।

बैगलेस डे पर जिले के शासकीय विद्यालयों में चला महास्वच्छता अभियान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर।शनिवार को बैगलेस डे पर जिले के सभी शासकीय शैक्षणिक संस्थानों में महास्वच्छता अभियान चलाया गया। यह अभियान कलेक्टर श्रीमती रेना जमील एवं जिपं सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन तथा जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती लता बेक एवं जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू के निर्देशन में संपन्न हुआ। अभियान के अंतर्गत जिले के 1163 प्राथमिक, 490 माध्यमिक, 54 हाई स्कूल एवं 101 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में परिसर की साफ-सफाई, अनुपयोगी सामग्री का निष्पादन, गाजर घास का उन्मूलन तथा पाउच, पन्नी एवं अन्य कचरे का संग्रहण किया गया। साथ ही ₹स्वच्छ शौचालय, स्वस्थ बचपन₹ थीम पर विद्यालयों के शौचालयों की विशेष साफ-सफाई की गई।अभियान में प्रतापपुर के उमावि दूरती में जिपं अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणि पैकरा, रामानुजनगर के सुरता विद्यालय में जिपं उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा राजलाल राजवाड़े, जनपद उपाध्यक्ष रामप्रताप साहू एवं सरपंच राम सिंह, प्रेमनगर के भगवानपुर में जिपं सदस्य श्रीमती नयनतारा सिरदार, माध्यमिक विद्यालय प्रेमनगर में नपं अध्यक्ष श्रीमती सुखमनिया जगते, प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय कोतल में जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती पुनिया राजवाड़े, भैयाथान के कस्तूरबा में जनपद उपाध्यक्ष राजीव प्रताप सिंह, पीएम श्री भटगांव में नपं अध्यक्ष श्रीमती परमेश्वरी राजवाड़े, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डुमरिया में वरिष्ठ नागरिक संघ के सदस्य तथा विकासखंड सूरजपुर के जयनगर में जनपद सदस्य धनेश्वर सिंह, सरपंच श्रीमती राधाबाई एवं मा वि मानपुर में पार्षद श्रीमती पुष्पलता पवन साहू सहित विभिन्न विकासखंडों के सरपंच, पंचायत एवं नगरीय निकाय प्रतिनिधि, पालक, शाला प्रबंधन समिति के सदस्य, सहायक संचालक शिक्षा अजय सिंह, समग्र विकासखंड शिक्षा अधिकारी, विकासखंड स्रोत समन्वयक, प्राचार्य एवं संकुल समन्वयकों ने सहभागिता कर अभियान को सफल बनाया।रामानुजनगर के पीएम श्री विद्यालय में एसडीएम अजय मोडियम ने नशामुक्ति तथा जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू ने स्वच्छता की शपथ दिलाई। शिक्षा विभाग द्वारा बताया गया कि प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को स्वच्छता, पर्यावरण, वृक्षारोपण, कला, टीएलएम प्रदर्शनी, खेलकूद, निबंध, चित्रकला, पेंटिंग एवं नशामुक्ति जैसे विषयों पर विशेष अभियान संचालित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, पालकों एवं शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए बैगलेस डे गतिविधियों का संचालन किया जाएगा।साथ ही विद्यालयों की उपलब्धियों, चुनौतियों एवं विकास संबंधी विषयों पर सामुदायिक संवाद आयोजित कर जनभागीदारी को और सशक्त बनाया जाएगा।

बैगलेस डे पर विद्यालयों में चला स्वच्छता अभियान, विद्यार्थियों ने दिया स्वच्छता का संदेश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर।जिला कलेक्टर रेना जामिल के निर्देशन, जिला मिशन समन्वयक मनोज साहू तथा विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी अवधेश साहू के आदेशानुसार शनिवार को बैगलेस डे के अवसर पर विकासखण्ड रामानुजनगर के विभिन्न विद्यालयों में ह्लस्वच्छ शौचालयझस्वस्थ बचपनह्व थीम पर विशेष स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया।इसी क्रम में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पतरापाली में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं पालकों की सहभागिता से व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर की साफ-सफाई के साथ-साथ शौचालयों की विशेष सफाई, विद्यालय भवन की छत पर जमा कचरे का निष्पादन, विद्यालय भवन एवं परिसर के आसपास उगी झाड़ियों की सफाई, मध्यान्ह भोजन कक्ष (किचन शेड) की सफाई तथा हैंडपंप के आसपास की स्वच्छता सुनिश्चित की गई। विद्यार्थियों ने श्रमदान कर स्वच्छ वातावरण बनाने का संदेश दिया और स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया। श्रमदान पश्चात शिक्षक योगेश साहू के द्वारा सभी छात्रो को बिस्किट का वितरण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानपाठक के. के. यादव ने कहा कि ह्लस्वच्छ विद्यालय ही स्वस्थ एवं संस्कारित विद्यार्थियों की पहचान है। स्वच्छता केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि इसे प्रत्येक छात्र-छात्रा की दैनिक आदत बनाना आवश्यक है। जब विद्यालय स्वच्छ रहेगा तभी बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर रहेगा और अध्ययन का वातावरण भी सकारात्मक बनेगा।ह्व कार्यक्रम प्रभारी योगेश कुमार साहू ने कहा कि ह्लस्वच्छता एक सामाजिक जिम्मेदारी है। विद्यालय से ही बच्चों में स्वच्छता के संस्कार विकसित होते हैं। यदि प्रत्येक विद्यार्थी अपने घर और आसपास भी स्वच्छता का संकल्प ले, तो पूरा समाज स्वच्छ एवं स्वस्थ बन सकता है।

बाल लोकतंत्र का महापर्व सम्पन्न, ताजपोशी के साथ बाल मंत्रिपरिषद ने संभाली कमान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर।शासकीय प्राथमिक शाला चट्टीडांड़ में राष्ट्रीय शिक्षा नीतिझ2020 की भावना के अनुरूप आयोजित बाल सभा मंत्रिपरिषद निर्वाचन।2026 का समापन शनिवार को शपथ-ग्रहण एवं ताजपोशी समारोह के साथ हुआ। लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर आधारित इस 11दिवसीय अभियान में विद्यार्थियों ने मतदाता सूची, नामांकन, चुनाव प्रचार, मतदान, मतगणना, परिणाम घोषणा और शपथ-ग्रहण जैसी सभी निर्वाचन प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया।शपथ ग्रहण समारोह में ग्राम पंचायत जयनगर की सरपंच श्रीमती राधा बाई, संकुल प्राचार्य श्रीमती कलिस्ता अक्खड़ एवं शाला प्रबंध समिति की अध्यक्ष श्रीमती चन्द्रलेखा ने नव-निर्वाचित बाल मंत्रियों को बैज पहनाकर, पुष्पमालाओं से सम्मानित कर तथा मिष्ठान खिलाकर ताजपोशी की। इसके उपरांत संकुल प्राचार्य श्रीमती कलिस्ता अक्खड़ ने सभी बाल मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

शपथ के साथ रौनक नायक ने प्रधानमंत्री, सोनम सारथी ने शिक्षामंत्री, श्रेया किन्डो ने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता मंत्री, आदित्य ने पर्यावरण एवं जल संरक्षण मंत्री, गगन ने खेल एवं अनुशासन मंत्री, शैलकुमारी बाजपेई ने सांस्कृतिक एवं खाद्य मंत्री तथा रेवंत नायक ने पुस्तकालय मंत्री का कार्यभार ग्रहण किया। सभी बाल मंत्रियों ने विद्यालय में अनुशासन, स्वच्छता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, खेल एवं पठन पाठन को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। प्रधान पाठक गौतम शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के लोकतांत्रिक नवाचार विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, उत्तरदायित्व, निर्णय लेने की योग्यता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान विकसित करते हैं।

मोहरसोप-बसनारा के जंगलों में अवैध कटाई और वन भूमि पर की जा रही जोताई

सवालों के घेरे में वन विभाग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत मोहरसोप-बसनारा के घने जंगल इन दिनों अवैध कटाई और वन भूमि पर कथित अतिक्रमण की गतिविधियों को लेकर चर्चा में हैं। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि जंगल के भीतर लगातार पेड़ों की कटाई कर वन भूमि पर जोताई की जा रही है, जिससे क्षेत्र का प्राकृतिक स्वरूप तेजी से प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इस पर प्रभावी रोक नहीं लगी तो आने वाले समय में जंगल का बड़ा हिस्सा समाप्त होने का खतरा पैदा हो सकता है। ग्रामीणों के अनुसार जंगल के भीतर लंबे समय से पेड़ों की कटाई कर भूमि को खेती योग्य बनाने की कोशिश की जा रही है। उनका कहना है कि इस संबंध में कई बार संबंधित अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसी कारण लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। आरोप है कि वन विभाग की ओर से कार्रवाई नहीं किए जाने से विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उनका कहना है कि यदि समय-समय पर गश्त और निगरानी होती तथा शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की जाती, तो जंगल को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सकता था। मोहरसोप-बसनारा का वन क्षेत्र जैव विविधता और पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। इस क्षेत्र के जंगल स्थानीय वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास होने के साथ-साथ आसपास के गांवों के पर्यावरणीय संतुलन में भी अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसे में कथित अवैध कटाई और वन भूमि की जोताई की घटनाओं ने वन संरक्षण को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है।

जिपं सदस्यों ने मुख्यमंत्री व विधानसभा अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

विकास निधि 50 लाख और 50 हजार मानदेय की मांग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। संभाग के जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर रायपुर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में जनप्रतिनिधियों ने कहा कि पंचायत व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने के लिए जिला पंचायत प्रतिनिधियों को पर्याप्त वित्तीय अधिकार एवं संसाधन उपलब्ध कराना आवश्यक है। ज्ञापन में प्रमुख रूप से मांग की गई कि जिला पंचायत विकास निधि की राशि बढ़ाकर 50 लाख रुपये की जाए, ताकि सदस्य अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में आवश्यक विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर करा सकें। साथ ही जिला पंचायत अध्यक्षों, उपाध्यक्षों एवं सदस्यों का मासिक मानदेय 50 हजार रुपये निर्धारित किए जाने की भी मांग की गई। उनका कहना है कि जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारियां लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन उपलब्ध संसाधन और मानदेय उनकी जिम्मेदारियों के अनुरूप नहीं हैं। प्रतिनिधियों ने ज्ञापन में यह भी मांग रखी कि विकसित भारत जन जन योजना के अंतर्गत स्वीकृत होने वाले कार्यों में जिला पंचायत अध्यक्षों, उपाध्यक्षों एवं सदस्यों का अनुमोदन अनिवार्य किया जाए। स्थानीय जनप्रतिनिधि क्षेत्र की वास्तविक जरूरतों से भली-भांति परिचित होते हैं, इसलिए योजनाओं के चयन एवं स्वीकृति में उनकी भूमिका सुनिश्चित होना आवश्यक है। इसके अलावा जिला खनिज न्यास मद से होने वाले विकास कार्यों में भी जिला पंचायत सदस्यों के प्रस्तावों को शामिल किए जाने की मांग उठाई गई। प्रतिनिधियों का कहना है कि डीएमएफ की राशि से अनेक महत्वपूर्ण विकास कार्य किए जाते हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सीमित होने से कई आवश्यक कार्य प्राथमिकता में नहीं आ पाते।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि एक जिला पंचायत सदस्य लगभग 50 हजार मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करता है। जनता उनसे सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कार्यों की अपेक्षा रखती है, लेकिन पर्याप्त विकास निधि एवं अधिकार नहीं होने के कारण वे कई बार जनहित के कार्यों को समय पर पूरा नहीं करा पाते। इससे आम लोगों की अपेक्षाएं भी प्रभावित होती हैं। सरगुजा संभाग के जिला पंचायत अध्यक्षों, उपाध्यक्षों एवं सदस्यों ने मुख्यमंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष से आग्रह किया कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा ग्रामीण विकास को गति देने के लिए उनकी सभी मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाए। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य सरकार पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में आवश्यक कदम उठाएगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान सरगुजा संभाग के विभिन्न जिलों के जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी जनप्रतिनिधियों ने एक स्वर में कहा कि उनकी मांगें किसी व्यक्तिगत हित से नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास, जनसुविधाओं के विस्तार तथा पंचायत राज संस्थाओं को अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से उठाई गई हैं।

पटेल पद के अभ्यर्थी की उम्मीदवारी को कर दिया गया खारिज

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। भ्रष्टाचार के विरुद्ध रामानुजनगर तहसील न्यायालय द्वारा एक एतिहासिक फैसला सुनाते हुए पटेल पद के अभ्यर्थी की उम्मीदवारी को खारिज कर दिया गया है। उम्मीदवारी खारिज होने के बाद उस खेमे में खलबली मच गया है। रामानुजनगर तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत पतरापाली में पटेल पद पर नियुक्ति के लिए मार्च - अप्रैल 2022 में तहसील न्यायालय द्वारा ग्राम पंचायत के माध्यम से आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए थे। जिसमें पटेल पद के लिए गांव के चार लोगों विश्वनाथन पटेल, बीर चंद्र सिंह, धनीराम यादव व प्रदीप पटेल ने आवेदन पत्र प्रस्तुत कर उस पद के लिए उम्मीदवारी की थी। आवेदन पत्र जमा करने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद न्यायालय द्वारा ग्रामीणों से दावा आपत्ति मांगा गया था। दावा आपत्ति के अंतिम तिथि 14 अप्रैल 2022 को अभ्यर्थी धनीराम यादव के खिलाफ सौभाग्य दुबे ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए उसकी उम्मीदवारी खारिज किए जाने की मांग की गई थी। इसके बाद दो अन्य अभ्यर्थियों के खिलाफ भी आपत्ति दर्ज कराई गई थी। इसके बाद न्यायालय ने आपत्तिकर्ता व जिन जिन अभ्यर्थियों के खिलाफ आपत्ति लगे थे उन सभी से आपत्तियों पर जबाब व आपत्तिकताओं से आरोपों पर प्रमाण मांगा गया था।

मूसलाधार बारिश से गिरा मकान लाखों का नुकसान, बाल-बाल बचा परिवार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। सूरजपुर जिले के बिहारपुर क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश लोगों के लिए मुसीबत बन गई है। ग्राम पंचायत कोल्हुआ के आश्रित ग्राम बोकराटोल में शुक्रवार को तेज बारिश के चलते एक पक्के मकान की छत और दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे में पूरा परिवार बाल-बाल बच गया, लेकिन मकान को भारी क्षति पहुंची है और घर में रखा कीमती सामान मलबे में दब जाने से बड़ी क्षति का अनुमान है। जानकारी के अनुसार दो दिनों से हो रही लगातार बारिश की वजह से बोकराटोल के रामलाल साहू के मकान की छत और दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। गनीमत रही कि घटना के समय परिवार के सदस्य घर के भीतर मौजूद नहीं थे। यदि सभी घर के अंदर होते तो बड़ा हादसा और जनहानि हो सकती थी। मकान गिरने से घर में रखा फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान, अनाज, कपड़े और अन्य घरेलू सामग्री मलबे में दब गई। पीड़ित परिवार के अनुसार इस हादसे में लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। बरसात के बीच मकान क्षतिग्रस्त होने से परिवार के सामने रहने की भी गंभीर समस्या खड़ी हो गई है।

चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में पिछले दो दिनों से लगातार तेज बारिश हो रही है। बारिश के कारण कई स्थानों पर जलभराव और मकानों को नुकसान पहुंचने की आशंका बनी हुई है।

करोड़ों की पुलिया के बाद लाखों का रपटा भी पहली बारिश में बहा, निर्माण पर उठे सवाल, जांच के आदेश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के प्रतापपुर क्षेत्र के धोन्धा, गोविंदपुर, रमकोला मार्ग एक बार फिर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर चर्चा में है। कुछ वर्ष पहले इसी मार्ग पर करोड़ों रुपये की लागत से बनी पुलिया गर्मी के दिनों में बीचों बीच क्षतिग्रस्त होकर ढह गई थी। उस समय भी निर्माण की गुणवत्ता और संभावित अनियमितताओं को लेकर सवाल उठे थे। अब उसी मार्ग पर आवागमन बहाल करने के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाया जा रहा लाखों रुपये का अस्थायी रपटा पहली ही तेज बारिश में बह जाने से ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर सरकारी धन से बनने वाले निर्माण कार्य इतने कमजोर क्यों साबित हो रहे हैं। करोड़ों रुपये की पुलिया टूटने के बाद धोन्धा, गोविंदपुर, रमकोला सहित दर्जनों गांवों का संपर्क प्रभावित हो गया था। स्कूली बच्चों, किसानों, मरीजों और आम ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। जनसमस्या को देखते हुए शासन-प्रशासन एवं क्षेत्रीय विधायक की पहल पर पीडब्ल्यूडी द्वारा लगभग 45 मीटर लंबा रपटा बनाया जा रहा था, ताकि स्थायी पुल बनने तक लोगों का आवागमन सुचारु बना रहे।

ग्रामीणों के अनुसार रपटा निर्माण का कार्य लगभग दो माह से चल रहा था। इस दौरान कई ग्रामीणों ने निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल भी उठाए थे। उनका कहना था कि कार्य मानकों के अनुरूप नहीं हो रहा है और यदि समय रहते गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया गया तो पहली बारिश में ही निर्माण टिक नहीं पाएगा। ग्रामीणों का आरोप है कि उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया। बीते दिनों क्षेत्र में हुई तेज बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर आ गए। इसी दौरान तेज बहाव में नया बना रपटा पूरी तरह बह गया। इससे एक बार फिर दर्जनों गांवों का संपर्क टूट गया और ग्रामीणों की परेशानियां बढ़ गईं। लोगों का कहना है कि जिस निर्माण पर लाखों रुपये खर्च किए गए, वह पहली ही बारिश का सामना नहीं कर सका। इससे निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। इस पूरे मामले में ग्रामीणों और पीडब्ल्यूडी विभाग के दावों में भी विरोधाभास सामने आ रहा है। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने जिला प्रशासन को बताया है कि रपटा निर्माण कार्य अभी पूर्ण नहीं हुआ था औरनिमार्णाधीन अवस्था में अचानक आई बारिश के कारण वह बह गया। दूसरी ओर ग्रामीणों का दावा है कि रपटा लगभग तैयार हो चुका था और उस पर लोगों का आवागमन भी शुरू हो गया था। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर वास्तविक स्थिति क्या थी? यदि निर्माण कार्य अधूरा था तो लोगों के आवागमन की व्यवस्था क्यों की गई।और यदि कार्य पूर्ण हो चुका था तो पहली ही बारिश में उसके बह जाने की जिम्मेदारी किसकी होगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर रैना जमील ने दूरभाष पर चर्चा के दौरान बताया कि उन्हें घटना की जानकारी मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि यह गंभीर मामला है और पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों को तत्काल आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने उन्हें बताया है कि रपटा निर्माण कार्य जारी था और अचानक आई तेज बारिश के कारण वह बह गया। विभाग द्वारा पुनः मरम्मत एवं निर्माण कराए जाने की बात कही गई है। कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि पूरे मामले की जांच कराई जाएगी तथा इसके लिए जांच दल गठित कर दिया गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल इतना तय है कि पहले करोड़ों रुपये की पुलिया और अब लाखों रुपये का रपटा सवालों के घेरे में है। सरकारी धन से बनने वाले निर्माण कार्य यदि कुछ ही समय में धराशायी हो जाएं तो जनता का भरोसा कमजोर होना स्वाभाविक है। ग्रामीणों ने निष्पक्ष तकनीकी जांच, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई तथा स्थायी एवं गुणवत्तापूर्ण पुल निर्माण की मांग की है, ताकि भविष्य में जनता को बार-बार ऐसी परेशानी और सरकारी धन की बबार्दी का सामना न करना पड़े।

सम्पादकीय

रथयात्रा में कुशल प्रबंधन के साथ सतर्कता जरूरी

ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान भगदड़ में एक महिला की मौत और 100 से अधिक लोगों का घायल होना एक ताजा खबर है, लेकिन हम लोग ऐसी खबरें लगातार सुनते रहते हैं। इन बड़े आयोजनों में अक्सर ऐसी दुर्घटनाएं होती रहती हैं। लोगों की श्रद्धा को देखते हुए यह तो नहीं कहा जा सकता कि ऐसे आयोजनों में नहीं जाएं, लेकिन ऐसे कार्यक्रमों में जाते समय सावधानी और सतर्कता जरूरी है। धार्मिक आस्था भारत की सबसे बड़ी सामाजिक शक्ति है। हर वर्ष करोड़ों श्रद्धालु विभिन्न तीर्थस्थलों, मेलों और धार्मिक जुलूसों में भाग लेते हैं। जब श्रद्धा के साथ सुव्यवस्थित प्रबंधन नहीं जुड़ता, तब यही आयोजन बड़े हादसों का कारण बन जाते हैं। पुरी की ताजा घटना एक बार फिर यही संदेश देती है कि भीड़ प्रबंधन केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन बचाने की पहली शर्त है। पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के दौरान पहाड़ी रस्म के समय अचानक बड़ी संख्या में श्रद्धालु रथों के करीब पहुंचने लगे। वॉलेंटियर भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन धक्का-मुक्की के कारण भगदड़ जैसे हालात बन गए। इस हादसे में एक श्रद्धालु की मौत हो गई, जबकि 100 से अधिक लोग घायल या बेहोश हो गए। तेज बारिश के बावजूद लगभग 10 लाख श्रद्धालु यात्रा मार्ग पर मौजूद थे। यह घटना बताती है कि केवल सुरक्षा बलों की तैनाती पर्याप्त नहीं होती, बल्कि भीड़ के प्रवाह को वैज्ञानिक तरीके से नियंत्रित करना भी उतना ही आवश्यक है। दुर्भाग्य से यह कोई पहली घटना नहीं है। मार्च 2026 में बिहार शरीफ के माता शीतला मंदिर में अष्टमी मेले के दौरान भगदड़ में आठ महिलाओं की जान चली गई थी। फरवरी 2025 में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ के लिए प्रयागराज जाने वाली ट्रेनों का इंतजार कर रही भीड़ अनियंत्रित हो गई, जिसमें 18 लोगों की मौत हो गई। जुलाई 2024 में उत्तर प्रदेश के हाथरस में आयोजित एक सत्संग में मची भीषण भगदड़ ने 100 से अधिक लोगों की जान ले ली। ये घटनाएं अलग-अलग स्थानों की जरूर हैं, लेकिन इनकी वजह लगभग एक जैसी रही अनियंत्रित भीड़, अपर्याप्त प्रबंधन और समय रहते प्रभावी हस्तक्षेप का अभाव। हर बड़े धार्मिक आयोजन से पहले प्रशासन को केवल सुरक्षा व्यवस्था तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि व्यापक आपदा प्रबंधन योजना भी तैयार करनी चाहिए। श्रद्धालुओं की संख्या का वास्तविक आकलन, प्रवेश और निकास के अलग-अलग मार्ग, बैरिकेडिंग, सीसीटीवी निगरानी, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली और प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की पर्याप्त तैनाती जैसे कदम अनिवार्य होने चाहिए। भीड़ को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाना और एक स्थान पर अत्यधिक लोगों के एकत्र होने से रोकना सबसे प्रभावी उपायों में शामिल है। हालांकि केवल प्रशासन पर जिम्मेदारी डालकर समस्या का समाधान नहीं होगा। श्रद्धालुओं की भी समान जिम्मेदारी है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें, धक्का-मुक्की से बचें, प्रशासन और स्वयंसेवकों के निर्देशों का पालन करें। थोड़ी-सी असावधानी सैकड़ों परिवारों की खुशियां छीन सकती है। हर हादसे के बाद जांच समितियां बनती हैं, मुआवजे की घोषणाएं होती हैं और भविष्य में सुधार के वादे किए जाते हैं, लेकिन यदि इन सिफारिशों को धरातल पर लागू नहीं किया गया तो ऐसी घटनाएं दोहराई जाती रहेंगी। सरकारों की संवेदनशीलता पर सवाल नहीं उठाया जा सकता, लेकिन सुरक्षा प्रबंधन की निरंतर समीक्षा और जवाबदेही तय करना भी उतना ही जरूरी है।

अर्थव्यवस्था
डॉ. जयंतीलाल भंडारी

ईरान युद्ध से बढ़ी आर्थिक चुनौतियां

> अमेरिका-ईरान सैन्य टकराव और होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से कच्चे तेल के दाम तेजी से बढ़ने लगे हैं। महंगाई और बाजार जोखिमें बढ़ गई हैं। बढ़ते आयातों के कारण भारत का व्यापार घाटा चिंता का विषय बन गया है। हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार देश का व्यापार घाटा जून में पिछले 5 महीनों के उच्चतम स्तर 30 .43 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इस समय एक और बड़ी चिंता अमेरिका की ओर से आते हुए दिखाई दे रही है। अमेरिका में दोनों दलों के सीनेटरों के एक समूह ने रूस पर प्रतिबंध विधेयक का संशोधित मसौदा पेश किया है, जिसमें रूस के कच्चे तेल एवं गैस के पांच सबसे बड़े खरीदारों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। इन पांच खरीदारों में भारत भी शामिल है।

इन दिनों अमेरिका- ईरान सैन्य टकराव और होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से कच्चे तेल के दाम तेजी से बढ़ने लगे हैं। महंगाई और बाजार जोखिमें बढ़ गई हैं। बढ़ते आयातों के कारण भारत का व्यापार घाटा चिंता का विषय बन गया है। हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार देश का व्यापार घाटा जून में पिछले 5 महीनों के उच्चतम स्तर 30.43 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इस समय एक और बड़ी चिंता अमेरिका की ओर से आते हुए दिखाई दे रही है। 15 जुलाई को अमेरिका में दोनों दलों के सीनेटरों के एक समूह ने रूस पर प्रतिबंध विधेयक का संशोधित मसौदा पेश किया है, जिसमें रूस के कच्चे तेल एवं गैस के पांच सबसे बड़े खरीदारों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। इन पांच खरीदारों में भारत भी शामिल है। ऐसे में एक बार फिर वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर की चुनौती है।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के द्वारा जारी हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम एशियाई संकट और लॉजिस्टिक कीमतों में बढ़ोतरी का भारत की विकास दर पर प्रतिकूल असर होगा। ऐसे में एडीबी ने भारत के लिए इस वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पूर्व में निर्धारित की गई 6.9 प्रतिशत विकास दर को घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपनी रिपोर्ट में वर्ष 2026-27 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। आईएमएफ का मानना है कि ऊर्जा की ऊंची कीमतें भारत में आर्थिक चुनौतियां बढ़ा सकती हैं। हालांकि इस समय भारत आपूर्ति चुनौतियों से निपटने के लिए पहले से बेहतर स्थिति में है, फिर भी चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक विकास दर को 7 प्रतिशत तक ले जाने के लिए रणनीतिपूर्वक नए आर्थिक उपायों के साथ आगे बढ़ना होगा। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 7.7 प्रतिशत की शानदार दर से वृद्धि दर्ज की थी, जो कि 2024-25 की 7.1 प्रतिशत की दर से काफी बेहतर थी। निसंदेह इस समय वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और घरेलू आर्थिक मुश्किलों के बीच-बीच अर्थव्यवस्था को गतिशील रखना और विकास दर बढ़ाना चुनौती है। उल्लेखनीय है कि सरकार इन आर्थिक चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ते हुए दिखाई भी दे रही है। हाल ही में 15 जुलाई को केंद्रीय कैबिनेट ने आयात घटाने और आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देने के लिए 2.19 लाख करोड़ रुपये से अधिक के फैसलों को मंजूरी दी है। देश की उर्वरक आयात पर निर्भरता कम करने के लिए फैसले को मंजूरी मिली है। इसके तहत नए गैस-आधारित यूरिया संयंत्रों के लिए घरेलू निवेश को आकर्षित किया जाएगा। चिप और इलेक्ट्रॉनिक्स मिशन के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स और चिप के भारी आयात को कम करने के लिए 1.27 लाख करोड़ रुपये के बजट के साथ इस मिशन के दूसरे चरण को मंजूरी दी गई है, ताकि देश को वैश्विक केंद्र बनाया जा सके। मोबाइल फोन निर्माण अभियान के तहत विदेशी फोन पर निर्भरता खत्म करने के लिए 62,500 करोड़ रुपये की योजना स्वीकृत की गई है।

अभी आर्थिक चुनौतियों के चक्रव्यूह से निकलने के लिए सरकार को 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' के मंत्र को और अधिक रणनीतिक ढंग से उपयोग में लाना

होगा। वैश्विक झटके और तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भारत को अपनी समष्टि-आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए अपनी रणनीतियों में बदलाव करना होगा। तेल की वैश्विक कीमतों में फिर से आए उछाल के कारण भारतीय रिजर्व बैंक के सामने असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। केंद्रीय बैंक को अब महंगाई को नियंत्रण में रखने के साथ-साथ विकास की गति को थमने से बचाना होगा। वैश्विक संकट के समय निजी निवेश में सुस्ती आना स्वाभाविक है। ऐसे में आर्थिक गतिविधियों को सहारा देने के लिए सरकार को अपने पूंजीगत व्यय को लक्ष्य के अनुरूप तेजी से कारगर बनाना होगा।

बुनियादी ढांचा परियोजनाओं-जैसे रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्ग, नए बंदरगाहों और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क में निवेश को प्राथमिकता देनी होगी। बुनियादी ढांचे में सरकारी निवेश बढ़ने से इस्पात, सीमेंट और निर्माण जैसे मुख्य क्षेत्रों में मांग बनी रहती है, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर नए रोजगार पैदा होते हैं और अर्थव्यवस्था का चक्र घूमता रहता है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में नए सिरे से व्यवधान आने की आशंका को देखते हुए भारत को घरेलू विनिर्माण पर अपनी निर्भरता बढ़ानी होगी। उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजनाओं का दायरा बढ़ाकर उन क्षेत्रों को शामिल करना चाहिए जो आयात पर अत्यधिक निर्भर हैं। भारत को अपनी निवेश नीतियों को और अधिक सरल बनाकर वैश्विक कंपनियों को आकर्षित करना होगा। अब बढ़ती आर्थिक चुनौतियों के बीच मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को भी ढाल बनाना होगा। अप्रैल-मई 2026 में भारत का निर्यात पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले लगभग 15 प्रतिशत बढ़ा है। वैश्विक अनिश्चितता के इस दौर में भारत द्वारा तेजी से बढ़ाए जा रहे 'मुक्त व्यापार समझौते' नए बाजार खोलने में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाले साबित हो रहे हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार, भारत आगामी 10 महीनों में 9 नए व्यापार समझौतों को धरातल पर उतारने की तैयारी में है। उल्लेखनीय है कि 15 जुलाई का दिन भारत और ब्रिटेन के आर्थिक एवं व्यापारिक इतिहास में एक स्वर्णिम दिन के रूप में दर्ज हो गया है। इस दिन दोनों देशों के बीच लंबे समय से प्रतीक्षित और कई दौर की बेहद जटिल वार्ताओं के बाद तैयार किया गया ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) लागू हुआ है, जिसे व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीटा) कहा गया है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि जिस ब्रिटेन ने कभी भारत पर लंबे समय तक शासन किया था, उसी ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था का आज भारत एक बड़ा रणनीतिक साझेदार बन गया है।

यह मुक्त व्यापार समझौता ऐसे समय में लागू हुआ है, जब वैश्विक अर्थव्यवस्था पश्चिम एशिया संघर्ष और भू-राजनीतिक तनावों के दौर से गुजर रही है। ऐसे में भारत और ब्रिटेन का एक साथ आना दोनों देशों के आर्थिक परिदृश्य को बदलने की क्षमता रखता है। वर्तमान में भारत और ब्रिटेन के बीच वस्तुओं तथा सेवाओं का कुल सालाना व्यापार 55 से 60 अरब डॉलर मूल्य का है, जिसे वर्ष 2030 तक 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। उम्मीद करें कि अब न्यूजीलैंड और यूरोपीय संघ के साथ एफटीए शीघ्र कार्यान्वित होगा। सरकार महंगाई नियंत्रण और सात प्रतिशत विकास दर के लक्ष्य को पाने के मद्देनजर नए सरल श्रम कानूनों के परिपालन, मुक्त व्यापार समझौतों के प्रभावी क्रियान्वयन, विशाल घरेलू बाजार की ताकत, नीतिगत सुधारों, बुनियादी ढांचे पर अधिक सरकारी खर्च, खेती- किसानी को प्रभावी सहारा देने के साथ-साथ पेट्रोलियम पदार्थों व जरूरी वस्तुओं की उपयुक्त आपूर्ति की राह पर रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ेगी।

(लेखक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मानसून
योगेश कुमार सोनी

महानगरों में जल-भराव के लिए बने रणनीति

हाल ही के दिनों में देशभर में वर्षा आ रही है। कई जगह बेहद प्रभावित हुई हैं। महानगरों के संदर्भ में बात करें तो हालात बेहद खराब हैं और इस बार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की स्थिति सबसे ज्यादा बेकार है। दिल्ली यमुना नदी खतरे से प्रभावित हो रही है। दिल्ली व मुंबई के कई इलाके इतने जलमग्न हैं कि लोगों के घरों में पानी घुस चुका है और वे बहुत कठिनाइयों के साथ समय निकाल रहे हैं। कोई रिश्तेदार के जा रहा है तो कोई होटल में रुका है और जिसकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है, वह सड़कों पर डेरा डाले हुए है। दिल्ली को कनेक्ट करने वाले मुख्य मार्ग आईटीओ, लाल किला और रिंग रोड पर भी पानी भरने से दिल्ली पूरी तरह ठप हो गई। राजधानी होने की वजह से एक दिन में ही बहुत बड़ा आर्थिक नुकसान होता है। बहरहाल, यमुना में बाढ़ का विशेष कारण हथिनी कुंड बैराज से छोड़ा गया पानी बताया जाता है। हालांकि इस मामले में सभी राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप मढ़ते दिख रहे हैं। इस मामले पर राजनीतिक बयानबाजी जारी है। इस तरह के बयान जनता को बेवकूफ बनाने या पल्ला झाड़ने तक को सही है लेकिन यदि इसकी सच्चाई को देखें तो इन दोनों पार्टियों में से किसी एक ने भी इस ओर जरा सा भी काम नहीं किया। चूंकि स्पष्ट है कि हथिनी कुंड बैराज को अपग्रेड करने की बात हो रही है, लेकिन इस ओर एक कदम भी नही बढ़ा। वहीं दूसरी ओर दिल्ली से यूपी व हरियाणा जाने का सारा रास्ता अवैध प्रॉपर्टियों से बाधित है जिस पर कोई न कुछ कहता है और न ही कुछ करता है। कुल मिलाकर हालात यह हैं कि दिल्ली वालों को अपनी जान व माल की रक्षा व सुरक्षा स्वयं करनी पड़ रही है। इस बार भी देख लिया कि बाढ़ से निपटने की हमारे पास कोई व्यवस्था नही है। कोई भी ऐसा तंत्र या सिस्टम नहीं है जो आकस्मिक स्थिति में लोगों को बचा सके। दिल्ली के सबसे बड़े श्मशान घाट निगमबोध में लोग अपनों की चिता भी नहीं जला पा रहे हैं। चूंकि बाढ़ के पानी से पूरा घाट डूब चुका है, वहीं अस्पतालों में पानी भरने के कारण मरीजों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। दिल्ली की स्थिति को तकनीकी से समझा जाए तो विशेषज्ञों के अनुसार लगभग 20 किलोमीटर की नदी पर पुल के निर्माण के कारण पानी का प्रवाह रुकता है।

यमुना में वजीराबाद से ओखला तक बीस से अधिक पुल 20 किलोमीटर के दायरे में आए पानी के बहाव को बाधित करते हैं। इससे नदी के तल में गाद जमा हो जाती है और रेतीले चट्टानों का निर्माण हो जाता है। यमुना के जलस्तर में बड़े स्तर पर बढ़ने का एक प्रमुख कारण गाद जमना है जिसके कारण पानी में ठहरावट कम हो जाती है और गति बढ़ जाती है। इस वजह से पानी एकदम प्रवाह में आकर अपना रौद्र रूप धारण कर लेता है। इसके अलावा दिल्ली में अपनी क्षमता से अधिक प्रॉपर्टी बन गई रही है जिसकी वजह से पानी की के ठहरने व बहने की जगह खत्म होती जा रही है। हालात यह है कि लोगों ने दिल्ली नगर निगम व सभी संबंधित विभागों से मिलकर तालाब, जोहड़ व अन्य सभी सरकारी खाली जगहों पर बिल्डिंग बना लीं जिससे स्थिति यह है कि दिल्ली में एक इंच जगह भी नहीं बची। नोएडा से दिल्ली जाने वाले डीएनडी एक्सप्रेस-वे पर खादर पर लोगों ने चार मंजिला इमारतें बना ली। सबको यह भलि-भांति पता है कि यह खादर की जगह है और यहां बाढ़ या थोड़ा सा भी पानी का स्तर बढ़ जाने पर जान-माल का खतरा हो सकता है। फिर भी विभागों की मिलीभगत से खुलेआम हर रोज कई प्रॉपर्टी बन जाती हैं। इसके अलावा महानगरों में जंगल के नाम पर कुछ नहीं बचा और जनसंख्या वृद्धि की वजह से जंगलों का विनाश लगातार जारी है। हम इस बात से जानकर भी अंजान बने हुए हैं कि पेड़ हमारी जिंदगी के पर्यायवाची है। जैसा कि हम यह बात बचपन से पढ़ते व समझते आ रहे हैं कि पेड़ों से हमें ऑक्सीजन मिलती है, जो इंसान की जिंदगी के लिए बेहद जरूरी है, लेकिन हम इस बात को शायद विनाश के बाद ही समझ पाएंगे। दुष्परिणाम अब लगातार देखने को मिल रहे हैं। जंगल, तालाब, झील व अन्य सभी प्राकृतिक स्रोत प्रकृति की सबसे बड़ी देन मानी जाती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में हर साल एक करोड़ हेक्टेयर इलाके के वन काटे जा रहे हैं। अकेले भारत में 10 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फैले जंगल कट रहे हैं। इस वजह से हर देश के हर राज्य का मौसम प्रभावित होने लगा है। शहरीकरण के लालच व विकास की भूख ने हमारे जीवन से हरियाली को खत्म कर दिया। यदि इस मामले को लेकर शासन-प्रशासन समय से नहीं जागा तो आने वाला समय बेहद खतरनाक व चिंताजनक हो जाएगा, चूंकि प्राकृतिक आपदा संभलने का मौका बार-बार नहीं देती है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आवश्यक है समर्पण

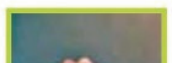

समर्पण प्रत्येक प्राणी के लिए अत्यंत आवश्यक भाव है। यही वह भाव है जिसके माध्यम से हम अपने आत्मीय जनों के प्रिय बन सकते हैं। यह स्मरण रहे कि राग, द्वेष, घृणा तथा स्वार्थ का त्याग किए बिना समर्पण की कल्पना व्यर्थ है। हमारे जीवन के प्रत्येक पहलू में समर्पण का भाव आवश्यक है। समर्पण हमारे लौकिक एवं पारलौकिक दोनों जीवन की उन्नति के लिए आवश्यक है। संबंधों में मधुरता के लिए हमें परस्पर समर्पण भाव रखते हुए रिश्तों का निर्वहन करना होता है। स्वार्थ की दृष्टि से बनाए गए रिश्ते अल्पावधि के उपरांत समाप्त हो जाते हैं। इसी प्रकार लक्ष्य की प्राप्ति के लिए भी समर्पण भाव का होना अत्यंत आवश्यक है। जब हम अपने संपूर्ण समर्पण के साथ लक्ष्य प्राप्ति के लिए समर्पित हो जाते हैं, तब कोई भी लक्ष्य हमसे दूर नहीं रहता। समर्पण के साथ-साथ विश्वास का होना भी आवश्यक है। जिस प्रकार एक बीज धरती में रोपित किया जाता है, तो वह संपूर्ण रूप से खुद को धरती मां की गोद में समर्पित कर देता है। तभी उसमें विकास के नए अंकुर फूट पड़ते हैं। भास्कर की किरणों उसे शक्ति प्रदान करती हैं। पवन की शीतलता उसे दुलारती है। मेघ उसका अभिसिंचन करते हैं। इस प्रकार उसे संपूर्ण प्रकृति का सहयोग एवं साहचर्य मिलने लगता है। उसके बाद वह धीरे-धीरे एक संपूर्ण वृक्ष का आकार ले लेता है। एक ऐसे वृक्ष का, जिसके आश्रय में तमाम प्राणी शीतलता प्राप्त करते हैं। यही नहीं, वह वृक्ष सैकड़ों बीजों के जनक होने का गौरव भी प्राप्त करता है।

संकलित
दर्शन

हमारी लालसाएं और वृत्तियां नहीं बदलती

एक पेड़ पर दो बाज रहते थे। दोनों अक्सर एक साथ शिकार की तलाश में निकलते और जो भी पाते, उसे शाम को मिल-बांट कर खाते। एक दिन दोनों शिकार के लिए निकले, तो एक को एक सांप मिला और दूसरे को एक चूहा। अपना-अपना शिकार चोंच में दबाए दोनों पेड़ पर वापस लौटे। दोनों ने अपना शिकार पकड़ा था और उन्हें बस चोंच में दबा रखा था, इसलिए साँप और चूहा- दोनों ही शिकार तब तक जीवित थे। सांप, चूहे का स्वादिष्ट भोजन पाने के लिए जीभ लपलपाने लगा और चूहा सांप के प्रयत्नों को देखकर अपने ही शिकारी बाज के डैनों में छिपने का उपक्रम करने लगा। दूसरे ने उससे पूछा, दोस्त! यह दार्शनिकों की तरह किस चिंतन में डूब गए? पहले बाज ने अपने पकड़े हुए सांप की ओर संकेत करते हुए कहा, देखते नहीं यह कैसा मूर्ख प्राणी है। जीभ की लिप्सा के आगे इसे अपनी मौत का विस्मरण हो रहा है। तब दूसरे बाज ने अपने चूहे की ओर देखते हुए कहा, यह भी तो उतना ही नासमझ है। भय इसे प्रत्यक्ष मौत से भी अधिक डरावना लगता है। पता है कि अगले ही पल मेरा निवाला बनने वाला है, तब भी साँप को देख कर मेरे डैनों में छुपने की कोशिश कर रहा है। वहीं पेड़ के नीचे एक मुसाफिर बैठा सुस्ता रहा था। उसने दोनों बाजों की बात सुनी और सोचने लगा, हम मनुष्यों की दशा भी इसी सांप और चूहे की तरह है। अंतिम क्षणों तक जीवन की आशा नहीं छूटती और न हमारी लालसाएं और वृत्तियां ही बदलती हैं।

संकलित
प्रेरणा

अंतर्मन

आज की पाती

एथेनॉल का प्रयोग कितना जरूरी?

देश को ईंधन के मामले में आत्मनिर्भर बनाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए वाहनों के लिए एथेनॉल का प्रयोग करना जरूरी है, लेकिन विपक्ष, कुछ राजनीतिक दल और अन्य लोग इस ईंधन का विरोध भी कर रहे हैं। ऐसे विरोधियों को इन बातों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए, जैसे कि अमरीका और ईरान के बीच फिर से युद्ध छिड़ गया है, इसलिए हो सकता है कि देश में पेट्रोल और डीजल के लिए सरकार कुछ और नियम तय कर दे या फिर से यह चीजें महंगी हो जाएं। कुछ समय पहले कनाडा यूनिवर्सिटी ऑफ क्यूबेक के जैव रसायन प्रोफेसर एवं वैज्ञानिक मार्क ब्यूरेगार्ड ने बताया था कि धरती पर वर्ष 2070 तक पेट्रोल- डीजल खत्म हो जाएगा। इसलिए पेट्रोल और डीजल का संरक्षण जरूरी है।

- मांगेराम, रोहतक

करंट अफेयर

ट्रंप की तस्वीर वाले स्मारक सिक्के का उत्पादन शुरू

अमेरिकी टकसाल ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीर वाले एक डॉलर के नए स्मारक सिक्के का उत्पादन शुरू कर दिया है। अमेरिका की स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में जारी किए जा रहे इस स्मारक सिक्के के अंतिम डिजाइन को इस वर्ष की शुरुआत में अमेरिकी आयोग (यूएस कमीशन ऑफ फाइन आर्ट्स) ने मंजूरी दी थी। अमेरिकी वित्त विभाग ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि आयोग के सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति ट्रंप ने की थी। हालांकि, बुधवार को जारी अंतिम सिक्का पहले स्वीकृत डिजाइन से कुछ मामलों में अलग है। सबसे प्रमुख अंतर यह है कि यह शुद्ध सोने का नहीं है, बल्कि इसे सुनहरी परत (गोल्ड फिनिश) दी गई है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि यह सिक्का ''स्वतंत्रता की स्थायी विरासत और देशभक्ति के स्थायी प्रतीक'' के सम्मान में जारी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की तस्वीर वाला यह सिक्का अमेरिकी मूल्यों की मजबूती और सभी के लिए स्वतंत्रता बनाए रखने के राष्ट्र के संकल्प का प्रतीक है। रिपब्लिकन नेता ट्रंप अपने नाम और छवि को ऐतिहासिक रिकॉर्ड का हिस्सा बनाने के लिए जाने जाते हैं।

ऑफ बीट

कार्डियो वजन उठाने से पहले करना चाहिए या बाद में

फिटनेस के प्रति जुनूनी लोग दशकों से इस प्रश्न पर बहस करते रहे हैं कि 'कार्डियो' करना वजन उठाने से पहले बेहतर होता है या बाद में? हाल तक,

इसका उत्तर काफी हद तक पसंद पर निर्भर करता था - कुछ लोग वजन उठाने से पहले जॉगिंग करते थे, जबकि अन्य लोगों का मानना था कि पहले वजन उठाना वसा को खत्म करने के लिए बेहतर है। लेकिन एक नए शोध ने अंततः इस लंबे समय से विवादित प्रश्न का उत्तर दे दिया है। शोध के अनुसार, आपके व्यायाम का क्रम इस बात को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है कि आप कितनी चर्बी कम करते हैं। जिन प्रतिभागियों ने वजन उठाने के बाद कार्डियो किया, उनमें कार्डियो करने के बाद वजन उठाने वालों की तुलना में काफी अधिक चर्बी कम हुई और वे पूरे दिन शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय रहे। शोधकर्ताओं ने प्रतिभागियों को 12 सप्ताह के लिए तीन समूहों में विभाजित किया। दोनों व्यायाम समूहों ने एक जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रम अपनाए, केवल व्यायाम क्रम में अंतर था। प्रतिभागियों ने बेंच प्रेस, डेडलिफ्ट, बाइसेप कर्ल और स्क्वाट जैसे व्यायाम किए। कार्डियो सत्र में 30 मिनट तक 'साइकिलिंग' शामिल थी। दोनों समूहों के प्रतिभागियों ने अपनी हृदय संबंधी फिटनेस, मांसपेशियों की ताकत और शारीरिक बनावट में सुधार का अनुभव किया।

ट्रेंड

भगवान जगन्नाथ यात्रा

भगवान जगन्नाथ की पवित्र रथ यात्रा के अवसर पर, मेरी कामना है कि उनका आशीर्वाद हम सभी पर सदैव बना रहे। उनकी दिव्य कृपा हमारे सभी देशवासियों के जीवन में नई ऊर्जा का संचार करे।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

आईसीएआर

आईसीएआर ने अपने 98 वर्षों के सफर में चमत्कार कर दिखाए है। इसलिए, मैं उस तपस्या को नमन करता हूं जिसने भूख को परास्त किया। उस तपस्या को नमन जिसने अभाव को आत्मनिर्भरता में बदल दिया। उस तपस्या को नमन जिसने संकट को समाधान में बदल दिया।

-शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री

आधुनिक बस टर्मिनल

हमारी सरकार लगभग 130 करोड़ की लागत से हमीरपुर में राज्य का सबसे बड़ा और आधुनिक बस टर्मिनल बना रही है। मौजूदा बस टर्मिनल की जगह पर लगभग 200 करोड़ की लागत से एक आधुनिक सिटी सेंटर भी विकसित किया जाएगा।

-सुखविंदर सिंह सुक्खु, सीएम, हिमाचल प्रदेश

3 खदानों की नीलामी

झारखंड देश की लगभग 40% खनिज संपदा वाला राज्य है, लेकिन विडंबना यह है कि पिछले साढ़े छह वर्षों में हेमंत सरकार केवल 3 खदानों की ही नीलामी कर पाई है। इसके विपरीत, इसी दौरान पूरे देश में 434 खनिज ब्लॉकों की नीलामी हुई है।

-बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड

खबर संक्षेप

सुले ने जंतर मंतर में वांगचुग से मुलाकात की

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की सांसद सुप्रिया सुले दिल्ली के जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से मिलने पहुंचीं। सोनम अनशन के 20वें दिन पर हैं॥ सुले ने उनसे भूख हड़ताल समाप्त करने की भावुक अपील की। सुले ने कहा कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी जातीं, तो विपक्ष संसद में आवाज उठाएगा।

शिकोहाबाद मुठभेड़ में दोनों बदमाश ढेर

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले का शिकोहाबाद शुक्रवार सुबह गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। यहां नगला कन्हई क्षेत्र में स्कूल के पास पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हुई। दोनों ओर से करीब आधा घंटे तक गोलियां चलीं। इस दौरान पुलिस टीम ने दोनों बदमाशों को मार गिराया। ये बदमाश इटावा में बड़ी लूट करके भाग रहे थे।

ट्रेन की टक्कर से स्कूल वैन के 3 छात्रों की मौत

मुर्शिदाबाद। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में शुक्रवार को एक दर्दनाक रेल हादसा हो गया। रेलवे ट्रैक पार करते समय एक स्कूल वैन को तेज रफ्तार ट्रेन ने टक्कर मार दी। इसमें 3 स्कूली छात्रों की मौत हो गई जबकि4 बच्चे घायल हो गए। गोबिंदपुर रेलवे गेट पर हादसा हुआ। हावड़ा जा रही नवद्वीप धाम एक्सप्रेस के गुजरने के कुछ ही देर बाद हुआ।

पंजाब में प्रधानमंत्री मोदी ने आप और कांग्रेस पर बोला हमला

पंजाब में नशा तस्करी का धंधा और गैंगवार छिपे नहीं, कांग्रेस में कुर्सी की जंग चल रही

जालंधर से किया 5,470 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन

एजेंसी ▶▶ जालंधर

पीएम मोदी ने जालंधर दौरे पर 5470 करोड़ की रेल व सड़क परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने यहां से 75 अमृत भारत स्टेशनों का वर्चुअल उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने कहा हमारी सरकार पंजाब में नहीं है लेकिन फिर भी हम राज्य के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे। पीएम मोदी ने दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेव, अमृतसर-वाराणसी एक्सप्रेस ट्रेन, करतौली पंजाब-अंबाला एक्सप्रेस ट्रेन सेवा, दौलतपुर चौक-करतौल पंजाब न्यू रेल लाइन का शुभारंभ किया। ये सेवाएं पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश के बीच संपर्क को मजबूत करेंगी। पीएम मोदी मंच पर हरी पगड़ी में नजर आए। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि रेलवे का जो कायाकल्प अब हुआ है। यह काम पुरानी सरकारों में हो जाना चाहिए था लेकिन पुरानी सरकारों की प्राथमिकता में ये काम ही नहीं था। उन्होंने कहा पंजाब कांग्रेस में कुर्सी की लड़ाई चल रही है।

नियति और ईमानदारी पर उठाए सवाल

आप सरकार पर जमकर बरसे

पीएम मोदी ने पंजाब की मौजूदा सरकार पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा पंजाब में नशा तस्करी का धंधा और गैंगवार किसी से छिपे नहीं हैं। उन्होंने कहा पंजाब की सत्ता में बैठे लोग देश की राजनीति बदलने का दावा कर रहे हैं लेकिन न उनकी नियत साफ है न वो ईमानदार हैं। आप केंद्र की योजनाओं पर अपना स्टिकर लगा रही है।

12 वर्षों में हमने रेल नेटवर्क का 99 फीसदी बिजलीकरण किया

पीएम मोदी ने कहा कि रेलवे के बिजलीकरण की शुरुआत 1925 में हुई थी।करीब 100 साल पहले। 1925 से लेकर 2014 तक करीब 90 साल में पूरे देश के रेल नेटवर्क का करीब 30फीसदी ही बिजलीकरण हो पाया था। 70प्रतिशत क्षेत्र डीजल से चलता था। बीते 12 वर्षों में भारत के करीब 99फीसदी रेल नेटवर्क का बिजलीकरण हो चुका है। हरियाणा में रेल नेटवर्क का शत-प्रतिशत बिजलीकरण हो गया है। इस वजह से लड़ाई होने के बावजूद भी, तेल का संकट होने के बाद भी, भारत की रेल रुकी नहीं है।

जालंधर को स्पोर्टस हब के रूप में करेंगे विकसित

जालंधर को विश्व में स्पोर्टस हब के रूप में पहचान दिलाने को लेकर पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि पंजाब के युवाओं में खेलों को लेकर जोश है। हमारी सरकार ने खेलो इंडिया योजना खेलों को बढ़ावा देने के लिए शुरू की थी। वहीं, जालंधर को विश्व में स्पोर्टस हब के रूप में पहचान दिलाना हमारा लक्ष्य है। पंजाब के खेल के उत्पाद विदेशों में निर्यात हों यह हमारा लक्ष्य है जिससे पंजाब और देश की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा।

जींद का दूध-दही, बूरा और घेवर भूला नहीं

पीएम मोदी ने कहा कि शक्तिपीठ माता जयंती का नाम और आशीर्वाद इस शहर पर बना रहता है। मेरे लिए तो जींद आना पुरानी यादों का झरोखा खोलने जैसा है। मैं बैठे-बैठे कई पुराने व परिचित चेहरे देख रहा था। कई दशक पहले मैं संगठन के काम से पहली जींद आया था। फिर आप लोगों ने मुझे जो अपनत्व व प्रेम दिया, वो आज तक मैं भूला नहीं हूं। मुर्रा भैंस का दूध-दही और घी। जींद का देसी बूरा और यहां का घेवर...ये वो यादें हैं जो जींद से जुड़ ही जाती हैं।

हरियाणा के खिलाड़ियों को बहुत लाभ होगा

पीएम मोदी ने कहा कि आप सभी जानते हैं कि अभी मैं कुछ दिन पहले ही इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा से लौटा हूं। वहां भारत ने अनेक समझौते किए हैं। लेकिन एक विषय ऐसा है, जिसपर उतनी बात नहीं हुई है। ये विषय मेरे देश के और विशेषकर हरियाणा के युवाओं से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में स्पोर्ट्स को लेकर मेरी चर्चा हुई। इन दोनों देशों के साथ मिलकर हम स्पोर्ट्स इंडस्ट्री, खिलाड़ियों की ट्रेनिंग आदि में हम बहुत काम करने वाले हैं, इससे खिलाड़ियों को बहुत लाभ होगा।

'डबल इंजन' सरकार का आह्वान

अपने संबोधन में उन्होंने संत रविदास जी महाराज का उल्लेख किया और जालंधर में डेरा सचखंड बल्लां के प्रमुख संत निरंजन दास से अपनी मुलाकात का जिक्र कर दलित समुदाय को एक बड़ा संदेश दिया। पीएम मोदी ने हरियाणा में भाजपा सरकार द्वारा लागू की गई 24 फसलों पर एमएसपी और सिख संग्रहालय बनाने जैसे कार्यों का हवाला देते हुए, पंजाब में भी 'डबल इंजन' की सरकार बनाने की अपील की।

रिटर्निंग ऑफिसर ने सर्टिफिकेट दिया

टीएमसी छोड़ भाजपा में शामिल तीनों सांसद निर्विरोध रास पहुंचे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ल

पूर्व टीएमसी सांसद सुखेंदु शेखर रॉय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बराइक शुक्रवार को पश्चिम बंगाल से भाजपा उम्मीदवार के तौर पर निर्विरोध राज्यसभा के लिए चुने गए। पार्टी बदलने के कुछ ही दिनों बाद तेजी से बदले राजनीतिक घटनाक्रम ने सबको चौंका दिया। 15 जुलाई को नामांकन पत्रों की जांच के बाद मैदान में कोई अन्य उम्मीदवार नहीं बचा था, इसलिए शुक्रवार को नामांकन वापस लेने की समय-सीमा खत्म होने के बाद इन तीनों नेताओं को निर्वाचित घोषित कर दिया गया। रिटर्निंग ऑफिसर ने तीनों नवनिर्वाचित राज्यसभा सदस्यों को निर्विरोध चुने जाने की औपचारिक घोषणा के बाद जीत का प्रमाण पत्र सौंपा।

राजनीतिक घटनाक्रम

रॉय, देव और चिक बारिक नौ जुलाई को कोलकाता में भाजपा में शामिल हुए थे। इसके कुछ ही घंटों बाद भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने उन्हें राज्यसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवार भी घोषित कर दिया था।

टीएमसी को झटका

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद इन तीनों नेताओं ने पिछले महीने राज्यसभा और टीएमसी दोनों से इस्तीफा दे दिया था, जिससे उच्च सदन की तीन सीटें खाली हो गई थीं और उपचुनाव की जरूरत पड़ी थी। उनके चुने जाने से ममता बेनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी को एक और झटका लगा, क्योंकि पार्टी छोड़ने के कुछ ही हफ्तों के भीतर ये तीनों भाजपा के टिकट पर राज्यसभा लौट आए।

भाजपा के लिए क्यों अहम है यह फैसला?

तीन पूर्व सांसदों को शामिल करना विधानसभा चुनाव में जीत और पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार बनने के बाद पार्टी की ओर से तृणमूल नेताओं को शामिल करने का पहला बड़ा कदम भी है। इससे संकेत मिलता है कि चुनाव के बाद टीएमसी नेताओं को शामिल करने में भाजपा की जो हिचक थी, वह उन नेताओं के मामले में लागू नहीं होगी, जिन्हें पार्टी राजनीतिक रूप से मजबूत मानती है और जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप नहीं हैं।

फिर टली जेपीसी की रिपोर्ट

पीएम-सीएम को पद से हटाने वाला बिल फिर रुका, वापस लिए 'असहमति' नोट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

व्यापक चर्चा तथा संबंधित पक्षों से विचार-विमर्श की जरूरत है।

विचार मंथन के लिए टाला फैसला

प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को गंभीर आरोपों में लगातार 30 दिन तक हिरासत में रहने पर पद से हटाने का प्रावधान करने वाले 130वें संविधान संशोधन विधेयक की समीक्षा कर रही संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) ने मसौदा रिपोर्ट को अपनाने का फैसला फिलहाल टाल दिया। समिति ने माना कि इस पर समिति की अध्यक्ष अपराजिता सारंगी ने बताया कि सदस्यों की राय थी कि मसौदा रिपोर्ट पर अंतिम निर्णय लेने से पहले और चर्चा की जानी चाहिए। इसी कारण रिपोर्ट को अभी स्वीकार नहीं किया गया और प्रक्रिया को फिलहाल स्थगित कर दिया गया। 130वें संविधान संशोधन विधेयक पर गठित संयुक्त संसदीय समिति ने अपनी मसौदा रिपोर्ट में 5 सिफारिशें शामिल की थीं। यह मसौदा हाल ही में समिति के सभी सदस्यों के बीच विचार के लिए वितरित किया गया था।

समिति की बैठक में मसौदा रिपोर्ट की प्रत्येक सिफारिश पर अलग-अलग मतदान की प्रक्रिया चल रही थी। सदस्यों ने महसूस किया कि विभिन्न पक्षों से और सुझाव लेने तथा विचार के बाद ही अंतिम निर्णय लेना उचित होगा। इसके बाद रिपोर्ट को अपनाने का फैसला टाल दिया गया। सारंगी ने कहा कि समिति ने माना कि इस पर और अधिक परामर्श की आवश्यकता है।

ओवैसी और सुले ने असहमति नोट वापस लिया

एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी और एनसीपी (शरद पवार) सांसद सुप्रिया सुले ने असहमति नोट (डिसेंट नोट) समिति को सौंपे थे। हालांकि, जब समिति ने रिपोर्ट को अपनाने की प्रक्रिया स्थगित करने का निर्णय लिया, तो दोनों नेताओं ने अपने असहमति नोट वापस ले लिए।

जनभागीदारी से मजबूत होगा वन संरक्षण

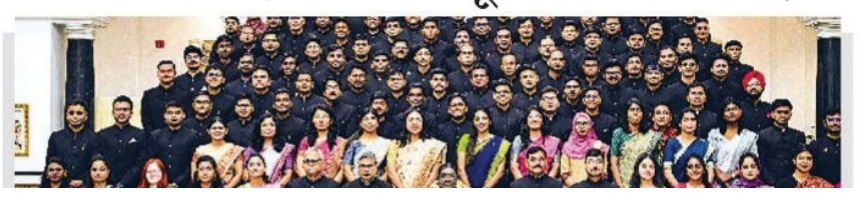

राष्ट्रपति आईएफएस के प्रशिक्षु अधिकारियों से मिलीं

नई दिल्ली। भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के प्रशिक्षु अधिकारियों ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने अधिकारियों से कहा कि वे केवल वनों के प्रशासक नहीं, बल्कि भारत की प्राकृतिक धरोहर के संरक्षक भी हैं। समाज को वनों की सुरक्षा के कार्य में भागीदार बनाने से संरक्षण के प्रयास अधिक प्रभावी और दीर्घस्थायी बनेंगे। जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता से निपटने में वन अहम हैं।

सूचना

मैं कामेश्वर राम आ० श्री मान सिंह उम्र 30 वर्ष, निवासी कुनकुरी कला थाना व तहसील बतौली जिला सरगुजा छ०ग० का निवासी हूं।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का नाम अनन्या पैकरा (ANANYA PAIKRA) है। जो सत्य एवं सही है। यह कि मेरी पुत्री का जन्म प्रमाण पत्र जारी किया गया है। जिसका आवेदन पंजीकरण संख्या B2026229003 8000479 0 एवं तथा जारी करने का दिनांक पजीकरण दिनांक 18/06/2026 18/06/2026 है। उक्त जन्म प्रमाण पत्र में मेरी पुत्री का नाम त्रुटिवश घरेलु नाम लतिका दर्ज हो गया है। उक्त जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज नाम को परिवर्तन कर पुत्री का नाम अनन्या पैकरा (ANANYA PAIKRA) जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज करवाना चाहता हूं। और इसी नाम को सभी जगह पढ़ा लिखा जाये। जिस संबंध में ईश्तेहार प्रकाशन करवा रहा हूं। यदि इस संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था / विभाग को कोई आपत्ति हो तो 15 दिनों के अंदर संबंधित विभाग को लिखित में सूचित करें।

नीट पेपर लीक के खिलाफ जनता सड़क पर

मुंबई आजाद मैदान कॉकरोच जनता पार्टी आंदोलन. ठएएळ पेपर लीक के खिलाफ केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और ळएळ परिक्षा पेपर लीक के खिलाफ महाराष्ट्र शिक्षा मंत्री दादा भूसे की इस्तीफा मांग को लेकर जनता सड़क पर उतर आई और केंद्रीय और राज्य शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की शिक्षाविद सह वैज्ञानिक सोनम वांगचुक द्वारा जंतर-मंतर पर चल रहे अनिश्चित कालीन भूख हड़ताल के समर्थन में महामोर्चा किया गया जिसकी प्रमुख मांग थी ठएएळ पेपर लीक और अन्य पेपर लीक की जिम्मेदारी लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा करें. ठएएळ पेपर लीक के कारण आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवार को एक एक करोड़ का मुआवजा दिया जाए. शिक्षाविद, पर्यावरणविद और वैज्ञानिक सोनम वांगचुक की सभी मांगें को माना जाए ताकि वह अपनी भूखहड़ताल समाप्त करें. महाराष्ट्र के शिक्षा मंत्री दादा भूसे ळएळ परीक्षा पेपर लीक की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा करना चाहिए, ळएळ की परीक्षा पेपर लीक की उच्चस्तरीय और निस्पक्ष जांच होनी चाहिए.

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी बरियों जिला बलरामपुर रा०गंज छ०ग०

रा०मा०क्र०-/ब-121/2025-26

ग्राम चांची प०ह०नं०- उप तह० बरियों

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम चांची प०ह०नं०- उप तहसील बरियों जिला बलरामपुर रा०गंज को सूचित किया जाता है कि आवेदक बिहारी राम.. आ०/पति.. टिड्डु राम जाति निवासी ग्राम चांची तहसील- राजपुर जिला बलरामपुर रामानुजगंज द्वारा स्वंय के पिता टिड्डु राम आ० गेदी का मृत्यु दिनांक 30.03.2024 को ग्राम चांची घर में हुई है। किन्तु जन्म मृत्यु पंजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानता वश कार्य व्यस्तता के कारण पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र पेश। उपरोक्त जन्म / मृत्यु प्रमाण पत्र में उज्जर आपत्ति या दावा हो या हितबद्ध पक्षकार हो तो वह स्वंय, अथवा वैध अभिकर्ता अथवा अभिभाषक के दिनांक- 06/01/2026 को न्यायालयीन समय में दावा या आपत्ति हो तो पेश कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। अतः आज दिनांक- 19/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
बरियों जिला बलरामपुर

यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी बरियों जिला बलरामपुर रा०गंज छ०ग०

रा०मा०क्र०-/ब-121/2025-26

ग्राम घटगांव

प०ह०नं०- उप तह० बरियों

ईश्तहार

एतद द्वारा आम जनता ग्राम घटगांव प०ह०नं०- उप तहसील बरियों जिला बलरामपुर रामानुजगंज को सूचित किया जाता है कि आवेदक मोहरसाय आ०/पति सरकु जाति पहाड़ी कोरवा निवासी ग्राम घटगांव तहसील- राजपुर जिला बलरामपुर रामानुजगंज द्वारा स्वंय के माता एतवारी पति सरकु का मृत्यु दिनांक 24.11.2021 को ग्राम घटगांव घर में हुई है। किन्तु जन्म मृत्यु पंजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानता वश कार्य व्यस्तता के कारण पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र पेश। उपरोक्त जन्म / मृत्यु प्रमाण पत्र में उज्जर आपत्ति या दावा हो या हितबद्ध पक्षकार हो तो वह स्वंय, अथवा वैध अभिकर्ता अथवा अभिभाषक के दिनांक- 10/07 /2026 को न्यायालयीन समय में दावा या आपत्ति हो तो पेश कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

अतः आज दिनांक- 30/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
बरियों जिला बलरामपुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक भोटकू आ. प्रेम साय व अन्य, निवासी ग्राम केशवपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदकगण के स्वामित्व की भूमि ग्राम केशवपुर स्थित खसरा नंबर 37, 84, 213, 214, 215 रकबा क्रमशः 0.50, 0.16, 0.17, 0. 45, 0.08 एकड भूमि के राजस्व अभिलेख में त्रुटिवश अनावेदकगण का नाम दर्ज हो गया है। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय, अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जॉच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 31/07/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 07/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

Directorate of Urban Administration & Development
Technical Cell, Indravati Bhawan, Atal Nagar (C.G.)
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
SECOND CALL

NIT No: 4634/TC/UAD/2026 Ralpur Dated: 16/07/2025

SN	System Tender No.	Name of Work/Description of Work	Last Date for Online Bid Submission	Last date for Physical submission	Probable Amount of Contract
1	195491	Construction of 250 Seater Nalanda Parisar at Govt. Gajanand Agrawal Collage Nagar Palika Parishad Bhatapara.	03.08.2026 Time 17:30	05.08.2026 Time 16:30	428.26 Lakh
2	195492	Construction of 250 Seater Nalanda Parisar Near District Panchayat office at Nagar Palika Parishad Manendragarh.	03.08.2026 Time 17:30	05.08.2026 Time 16:30	431.19 Lakh
3	195493	Construction of 250 Seater Nalanda Parisar Near High School at Nagar Palika Parishad Takhatpur.	03.08.2026 Time 17:30	05.08.2026 Time 16:30	431.19 Lakh
4	195494	Construction of 250 Seater Nalanda Parisar at Govt. Indira Gandhi Collage Nagar Palika Parishad Pandariya.	03.08.2026 Time 17:30	05.08.2026 Time 16:30	431.19 Lakh
5	195495	Construction of 250 Seater Nalanda Parisar Ward No. 02 Borodipa, Near Library at Nagar Panchayat Pusour.	03.08.2026 Time 17:30	05.08.2026 Time 16:30	431.72 Lakh

The Details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal http://eproc.cgstate.gov.in 16.07.2026, 18:00 Hours. (IST) on wards.
For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

Chief Engineer
Urban Administration &
Development, Atal Nagar (C.G.)

जी 262702192/2

पालघर जिला,वसई-विरार मनपा क्षेत्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर)

विरार। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर पालघर जिले और वसई-विरार शहर महानगरपालिका क्षेत्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) को तेजी से चलाया जा रहा है। अभियान के तहत बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन कर रहे हैं। इस दौरान पात्र मतदाताओं का नाम जोड़ने, मृत, स्थानांतरित एवं दोहरे नामों की जांच कर मतदाता सूची को अधिक सटीक और त्रुटिरहित बनाया जा रहा है। इस संबंध में गुरुवार को वसई-विरार महानगरपालिका मुख्यालय में आयोजित पत्रकार परिषद में पालघर की जिलाधिकारी डॉ. इंदु रानी जाखड़ (आईएएस) ने विस्तृत जानकारी दी। डॉ. इंदु रानी जाखड़ ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग और महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निदेर्शानुसार यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल करना तथा अपात्र, मृत, स्थानांतरित और दोहराए गए नामों का सत्यापन कर आवश्यक कार्रवाई करना है, ताकि मतदाता सूची पूरी तरह अद्यतन, पारदर्शी और त्रुटिरहित बन सके। उन्होंने बताया कि 30 जून 2026 से बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा मतदाता गणना प्रपत्र का वितरण और डिजिटलीकरण किया जा रहा है, जिसे 31 जुलाई 2026 तक पूरा किया जाएगा। इस कार्य में निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ), बीएलओ, बीएलओ पर्यवेक्षक तथा सहायक बूथ स्तरीय अधिकारी (एबीएलओ) समन्वय के साथ काम कर रहे हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि कई बार बीएलओ के घर पहुंचने पर नागरिक नहीं मिलते हैं। इसे देखते हुए अधिकारियों को सुबह, शाम तथा शनिवार और रविवार को भी घर-घर जाकर सर्वे करने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान मतदाताओं की व्यक्तिगत जानकारी का सत्यापन, नए पात्र मतदाताओं का पंजीकरण, मतदाता सूची में त्रुटियों का सुधार, मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं का सत्यापन तथा दोहरे नामों की जांच की जा रही है। डॉ. इंदु रानी जाखड़ ने स्पष्ट किया कि किसी भी मतदाता का नाम बिना जांच और बिना उचित कारण के नहीं हटाया जाएगा। प्रत्येक मामले में संबंधित व्यक्ति को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाएगा और भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार ही पूरी प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

हेल्थ टिप्स

दिन-रात एसी में रहना ठीक नहीं हो सकती हैं गंभीर समस्याएं

आज के दौर में एयर कंडीशनर (एसी) लग्जरी नहीं बल्कि जरूरत बन चुका है। घर हो, ऑफिस हो या फिर कार, लोग दिन-रात एसी की ठंडी हवा में समय बिता रहे हैं। खासकर आजकल गर्मी के मौसम में कई लोग 24 घंटे एसी वाले माहौल में रहते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि लगातार एसी में रहना आपकी सेहत पर गंभीर असर डाल सकता है?

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार लंबे समय तक एयर कंडीशनर के संपर्क में रहने से कईपरेशानियां बढ़ सकती हैं। इतना ही नहीं, कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों में संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है। अगर आप भी ज्यादातर समय एसी में बिताते हैं तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं कि 24 घंटे एसी में रहने से कौन-कौन सी बीमारियां और स्वास्थ्य समस्याएं आपको अपनी चपेट में ले सकती हैं।

त्वचा में रूखापन और डिहाइड्रेशन

एयर कंडीशनर कमरे की नमी को कम कर देता है, जिससे त्वचा अपनी प्राकृतिक नमी खोने लगती है। लंबे समय तक एसी में रहने वाले लोगों को त्वचा में खिंचाव, रूखापन और खुजली की शिकायत हो सकती है। इसके अलावा शरीर को पसीना कम आता है, जिससे कई बार लोगों को प्यास कम लगती है और वे पर्याप्त पानी नहीं पीते। यह स्थिति डिहाइड्रेशन का कारण बन सकती है। इसलिए एसी में रहने के दौरान नियमित रूप से पानी पीना और त्वचा को मॉइस्चराइज रखना जरूरी है।

सांस संबंधी समस्याएं

लगातार एसी की ठंडी हवा में रहने से नाक और गले की श्लेष्मा झिल्ली (म्यूकस मेम्ब्रेन)

सूख सकती है। इससे गले में खराश, नाक बंद होना, एलर्जी और खांसी जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। अगर एसी के फिल्टर की समय-समय पर सफाई नहीं की जाए तो उसमें धूल, बैक्टीरिया और फंगस जमा हो सकते हैं, जो सांस संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ा देते हैं। अस्थमा या एलर्जी के मरीजों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

सिरदर्द और थकान

बहुत कम तापमान वाले वातावरण में लंबे समय तक रहने से शरीर को लगातार तापमान के अनुसार खुद को ढालना पड़ता है। इससे सिरदर्द, माइग्रेन, चक्कर और थकान की समस्या हो सकती है। कई लोगों को पूरे दिन एसी में बैठने के बाद सुस्ती और ऊर्जा की कमी महसूस होती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अत्यधिक ठंडा तापमान शरीर के सामान्य रक्त संचार को प्रभावित कर सकता है, जिससे यह समस्या बढ़ सकती है।

जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द

एसी की ठंडी हवा का सीधा असर मांसपेशियों और जोड़ों पर पड़ सकता है। लंबे समय तक ठंडे वातावरण में बैठने से मांसपेशियां सख्त होने लगती हैं और उनमें अकड़न महसूस हो सकती है। गठिया (आर्थराइटिस) या पुराने जोड़ों के दर्द से पीड़ित लोगों में यह समस्या और अधिक बढ़ सकती है। कई लोग गर्दन, कंधे और कमर दर्द की शिकायत भी करते हैं, जिसका एक कारण लगातार एसी में बैठना हो सकता है।

आंखों में जलन और सूखापन

एसी वातावरण की नमी को कम करता है, जिसका असर आंखों पर भी पड़ता है। इससे आंखों में सूखापन, लालिमा, खुजली और जलन

की समस्या हो सकती है। जो लोग लंबे समय तक कंप्यूटर या मोबाइल स्क्रीन पर काम करते हैं, उनके लिए यह जोखिम और बढ़ जाता है। कॉन्टैक्ट लेंस पहनने वाले लोगों को भी आंखों में असहजता महसूस हो सकती है। ऐसे में पर्याप्त पानी पीना और जरूरत पड़ने पर आई ड्रॉप्स का इस्तेमाल करना फायदेमंद हो सकता है।

इम्यूनिटी पर असर

हमेशा बंद और ठंडे वातावरण में रहने से शरीर का प्राकृतिक अनुकूलन तंत्र प्रभावित हो सकता है। जब व्यक्ति लगातार एसी में रहता है और अचानक गर्म वातावरण में जाता है तो शरीर को तापमान में बदलाव के साथ तालमेल बैठाने में कठिनाई होती है। इससे सर्दी-जुकाम और वायरल संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है।

गर्मी के मौसम में हीट स्ट्रोक एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या

धूप से लू का सीधा रिश्ता लेकिन और भी कई वजहें हैं इस तकलीफ की, जानें लक्षण और बचने के उपाय भी

अक्सर आपने लोगों को कहते सुना होगा, ज्यादा धूप में न रहो, लू लग जाएगी। पर क्या सिर्फ धूप में रहने से लू लगती है या कुछ और कारण भी हैं? आइए जानते हैं.... गर्मी के मौसम में हीट स्ट्रोक यानी लू लगना एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या बन जाती है, जो कभी-कभी जानलेवा भी साबित हो सकती है। आमतौर पर लोग मानते हैं कि सिर्फ तेज धूप में ज्यादा देर तक रहने से ही लू लगती है, लेकिन सच्चाई इससे कहीं ज्यादा गहरी है।

कम जानकारी और सावधानियों के बिना गर्मी का यह मौसम शरीर पर भारी पड़ सकता है। इसलिए यह समझना जरूरी है कि लू सिर्फ धूप नहीं, बल्कि हमारी कई गलत आदतों का परिणाम भी हो सकती है। यहां इस लेख में हम आपको पहले तो लू लगने के लक्षण बताएंगे और आपको बताएंगे कि आखिर किन कारणों से हीट स्ट्रोक होता है।

जान लें इसके लक्षण

हीट स्ट्रोक के लक्षण तुरंत पहचानना बेहद जरूरी है क्योंकि यह जानलेवा भी हो सकता है। इसके मुख्य संकेतों में तेज बुखार, सिरदर्द, चक्कर आना, मतली या उल्टी, त्वचा का गर्म और सूखा होना, पसीना बंद हो जाना, धड़कन का बढ़ जाना, कमजोरी और भ्रमित या चिड़चिड़ा महसूस

होना शामिल हैं। गंभीर मामलों में व्यक्ति बेहोश हो सकता है और उसकी तंत्रिकाओं और अंगों पर गंभीर असर पड़ सकता है। अगर इन लक्षणों में से कोई भी दिखाई दे, तो तुरंत ठंडी जगह पर ले जाकर पानी पिलाएं, शरीर को ठंडा करने की कोशिश करें और तत्काल चिकित्सा सहायता लें।

पानी की कमी

गर्मी में जब शरीर से पसीना ज्यादा निकलता है और हम पर्याप्त पानी नहीं पीते, तो शरीर डिहाइड्रेट हो जाता है। इससे शरीर का तापमान संतुलित नहीं रह पाता और

चक्कर, कमजोरी, सिरदर्द जैसी समस्याएं शुरू हो सकती हैं। लंबे समय तक पानी की कमी रहने पर हीट स्ट्रोक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

गलत खानपान

बहुत ज्यादा मसालेदार, तला-भुना और भारी भोजन शरीर में अंदरूनी गर्मी बढ़ाता है। ऐसे खाने को पचाने में शरीर को ज्यादा ऊर्जा लगती है, जिससे शरीर का तापमान बढ़ सकता है और लू लगने की संभावना बढ़ जाती है। गर्मियों में हल्का और ताजा भोजन लेना ज्यादा सुरक्षित होता है।

लंबे समय तक गर्म जगह पर रहना

सीधे सूरज की रोशनी में या बहुत गर्म और बंद जगह पर लंबे समय तक रहने से शरीर का तापमान तेजी से बढ़ जाता है। अगर शरीर को ठंडा होने का मौका न मिले, तो हीट स्ट्रोक की स्थिति बन सकती है, जो कभी-कभी

गंभीर भी हो सकती है।

टाइट और सिंथेटिक कपड़े पहनना

टाइट और सिंथेटिक कपड़े पसीना सोखने की बजाय उसे रोक लेते हैं। इससे शरीर से गर्मी बाहर नहीं निकल पाती और शरीर ज्यादा गर्म हो जाता है। गर्मियों में ढीले और सूती कपड़े पहनना सबसे बेहतर विकल्प होता है।

आराम की कमी और ओवरएक्सरसाइज

गर्मी में बिना आराम किए लगातार काम करना या बहुत ज्यादा एक्सरसाइज करना शरीर को ओवरहीट कर सकता है। शरीर को पर्याप्त आराम न मिलने पर उसकी गर्मी सहने की क्षमता कम हो जाती है, जिससे हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

हीट स्ट्रोक से बचाव के उपाय

दिन में 8–10 गिलास पानी जरूर पिएं। हल्के और सूती कपड़े पहनें। धूप में निकलते समय छाता या टोपी का इस्तेमाल करें। नारियल पानी, नींबू पानी और ओआरएस लें। दोपहर 12 से 4 बजे तक धूप से बचें।

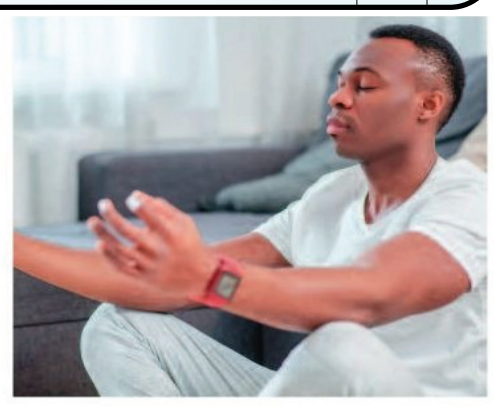

गुस्से पर काबू रखना समझदारी जानिए इसे बस में करने का तरीका

ऐसा शायद ही कोई इंसान होगा, जिसे कभी गुस्सा न आता हो। क्रोध या गुस्सा इंसान की एक ऐसी भावात्मक अवस्था है, जिससे सभी मनुष्य किसी न किसी समय पर जरूर गुजरते हैं। क्रोध को चार बुनियादी भावनाओं में से एक माना जाता है। ये चार भावनाएं हैः क्रोध, उदासी, खुशी और भ्रम/भय। रिसर्च के अनुसार गुस्सा धीरे से तेज होता जाता है और कई बार यह निराशा और झुंझलाहट का कारण भी बन जाता है।

अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के अनुसार, गुस्सा एक ऐसी भावना है, जो किसी के प्रति आपके विरोध को दर्शाता है या उन लोगों के प्रति आपकी भावना को व्यक्त करता है, जिन्होंने आपके साथ गलत किया है।ह गुस्सा कुछ खास अनुभवों और स्थितियों में प्रकट होता है और यह आपको आपकी पॉजिटिव लाइफस्टाइल से दूर ले जाता है। यह आपकी भावनात्मक दुनिया को तोड़ने का काम भी करता है। किसी के गुस्से का जवाब गुस्से से देने आपके अच्छे संबंध खराब हो सकते हैं और आपका वातावरण नकरात्मक हो जाता है। दूसरे शब्दों में, क्रोध आपके कार्यों को पॉजिटिव

या विनाशकारी दिशा में निर्देशित करने का काम करता है।

एंगर मैनेजमेंट में मददगार टिप्स

प्रोडक्टिव तरीके से अपने क्रोध को नियंत्रित करने के लिए हम आपको कुछ सुझाव बताने जा रहे हैंः

गुस्से से जुड़े हुए अनुभवों को लिखिए

इससे आपको पता लगेगा कि आपको कब गुस्सा आता है और क्या चीज आपको ट्रिगर करती है, कौन सी घटनाएं आपको परेशान कर सकती हैं। जर्नलिंग के माध्यम से अपने गुस्से के अनुभवों को लिखना खुद को जानने का एक प्रयास है। इसकी मदद से आप तर्क और स्वयं के मूल्यांकन के लिए जगह बना सकते हैं और कार्यों का निर्धारण कर सकते हैं।

बॉडी स्कैन एक्टिविटी का उपयोग करना

शरीर के जिस हिस्से पर आपको सबसे पहले गुस्सा आता है, उस पर ध्यान रखना शुरू करें। उस क्षेत्र या शरीर के अन्य क्षेत्रों पर अपना ध्यान आकर्षित करें। अगर आपका गुस्सा आपके शारीरिक तनाव का कारण बन रहा है, तो याद रखिए आगे चलकर ये आपको भावनात्मक रूप से भी नुकसान पहुंचा सकता है।

एरोबिक एक्सरसाइज करें

कई बार गुस्सा हमें शारीरिक रूप से भी नुकसान पहुंचाता है। एरोबिक एक्सरसाइज जैसी फिजिकल एक्टिविटी में शामिल होने से किशोरों और वयस्कों दोनों में गुस्सा कम हो जाता है। ऐसी कुछ एक्सरसाइज में ब्रिस्क वॉकिंग, साइक्लिंग, स्विमिंग और रनिंग शामिल है।

माइंडफुलनेस मेडिटेशन

माइंडफुलनेस मेडिटेशन के द्वारा भी आप अपने गुस्से पर काबू पा सकते हैं। इसमें अपनी सांस, किसी एक शब्द या एक वाक्यांश पर ध्यान केंद्रित करना होता है।

जामुन को लंबे वक्त तक फ्रेश रखने के स्मार्ट हैक्स करें फॉलो

इस मौसम में जामुन की बहार है। यह फल न केवल स्वाद में बेहतरीन होता है, बल्कि हेल्थ के लिहाज से भी फायदेमंद होता है। इसे ज्यादातर डायबिटीज कंट्रोल, पेट की समस्या को दूर करने या स्वाद के

लिए खाया जाता है। यही वजह है कि इसके पूरे सीजन मार्केट में जामुन की भरमार रहती हैं। ऐसे में हमें भी पता नहीं रहता कि कब इसकी कीमत बढ़ जाती हैं। इसलिए हम लोग फ्रिज में ढेर सारे जामुन लाकर रख लेते हैं। वहीं, अगर ठीक से स्टोर न किया जाए, तो खरीदे हुए जामुन 1–2 दिन में ही सड़ने, नरम पड़ने या पानी छोड़ने लगते हैं। ऐसे में अक्सर हमें मजबूरी में उन्हें फेंकना पड़ता है या बिना इच्छा के जल्दी-जल्दी खा लेना पड़ता है। अगर आप भी हर साल यही सोचती हैं कि काश जामुन कुछ दिन और चल पाता...तो परेशान न हों क्योंकि हम आपको बताएंगे कुछ ऐसे हैक्स जिनकी मदद से जामुन को लंबे वक्त तक फ्रेश रखा जा सकता है।

बिना धोए स्टोर न करें जामुन

आप जामुन को बिना धोए स्टोर न करें, क्योंकि इससे गंदगी फ्रिज में लग सकती हैं। जामुन को स्टोर करने से पहले आप नमक और पानी के धोल से धो लें, ताकि इसकी सारी गंदगी बाहर निकल जाए।

धोने वक्त हल्के हाथों से रगड़ें, ताकि यह खराब न हो। धोने के बाद जामुन को किसी कपड़े पर फैलाकर रख दें और इसके बाद ही स्टोर करें।

जामुन को स्टोर करने के लिए पानी को साफ करें

आप कभी भी गीले जामुन को स्टोर न करें। गीले जामुन बहुत ही जल्दी खराब होते हैं और चिपचिपे भी

होने लगते हैं। इसलिए बेहतर है कि आप जामुन को सुखाकर स्टोर करें। सुखाने के लिए या तो इसे धूप में रख दें या ड्रायर की मदद से सुखा लें। हालांकि, इस दौरान आपको जामुन का बहुत ही ध्यान रखना है, क्योंकि इससे यह खराब भी हो सकते हैं।

फ्रिज की सही जगह पर रखें

आप जामुन को फ्रिज की सही जगह पर रखें, क्योंकि इससे आपको बहुत फायदा होगा। फ्रिज में कई जगह ऐसी होती हैं जहां पर सही कुलिंग नहीं आती और जामुन लगभग 4 से 8 डिग्री सेल्सियस के बीच फ्रेश रहते हैं। इसलिए जामुन को हमेशा ऐसी जगह पर रखें और फ्रिज के वेजिटेबल डिब्बे का इस्तेमाल करें।

जामुन का पल्प या जूस बनाकर स्टोर करें

जामुन को ब्लेंड करके आप इसका पल्प बना लें, क्योंकि इसे रखना थोड़ा आसान हो जाएगा। आप पल्प में नींबू या चीनी का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसका इस्तेमाल आप तरह-तरह के व्यंजन बनाने के लिए कर सकती हैं।

भूलकर भी मेन गेट पर न लगाएं ये गहरे रंग

अगर आप घर का वास्तु बदलना चाहते हैं, तो ऐसे में जरूरी है कि आप घर के

मेन गेट पर होने वाले रंगों का खास ध्यान रखें। इससे घर का वातावरण पॉजिटिव रहेगा।

मेन गेट पर गहरे रंग की क्यों होती है मनाही?

वास्तु शास्त्र के अनुसार मेन गेट पर गहरे रंग जैसे काले और ग्रे कलर को इस्तेमाल करने की मनाही होती है। ऐसा कहा जाता है कि इस तरह के कलर से आपके आसपास नकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। साथ ही, आपके घर के बाहर से ही अच्छी चीजें प्रभावित हो जाती हैं। इसलिए कोशिश करें कि इन गहरे रंगों को अपने घरों में न लगाएं। इसकी जगह पर मेन गेट पर हल्के रंगों का प्रयोग करें। इससे आपके घर की ऊर्जा पॉजिटिव बनी रहेगी।

गहरे रंगों को मेन गेट पर लगाने का क्या पड़ता है घर पर प्रभाव

अगर आप अपने घर के मेन गेट पर काले रंग का इस्तेमाल करते हैं, तो ऐसे में आपके घर में अक्सर नकारात्मकता बनी रहेगी। इससे आपके घर का वास्तु भी खराब हो सकता है। साथ ही, आपके परिवार में किसी न किसी चीज को लेकर परेशानी चलती रहेगी। इससे आपका कोई भी कार्य सही तरीके से नहीं होगा। साथ ही, आपके जीवन में उदासी भी बनी रह सकती है। घर में अगर आप ग्रे कलर का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो इससे आपके जीवन पर असर पड़ेगा।

कार्नर न्यूज

'फॉरेस्ट बाथिंग' का मतलब जंगल में नहाना नहीं कुछ और भी है

अब दौर है 'फॉरेस्ट बाथिंग' का, प्रकृति में समय बिताकर लोग पा रहे हैं सुकून

फॉरेस्ट बाथिंग एक ऐसा टर्म है जिसका नाम सुनकर अक्सर लोगों को लगता है कि जंगल में जाकर स्नान करना है, लेकिन असल में इसका अर्थ इससे बिल्कुल अलग है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव, चिंता और थकान आम समस्याएं बन गई हैं। इनसे राहत पाने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय आजमाते हैं, लेकिन क्या आपने कभी प्रकृति की शरण में जाकर सुकून पाने की कोशिश की है? 'फॉरेस्ट बाथिंग' जो जापान से शुरू हुई एक प्राचीन प्रथा है, प्रकृति के बीच समय बिताकर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का एक अनोखा तरीका है। आइए इस लेख में जानते हैं कि फॉरेस्ट बाथिंग क्या है और साथ ही इसके चार फायदे भी जानेंगे।

फॉरेस्ट बाथिंग क्या है?

फॉरेस्ट बाथिंग का मतलब जंगल में स्नान करना नहीं, बल्कि जंगल या हरे-भरे प्राकृतिक वातावरण में अपने सभी इंद्रियों के साथ समय बिताना है। इसमें पेड़-पौधों को देखना, हवा की ताजगी को महसूस करना, पत्तियों की सरसराहट सुनना, और मिट्टी की खुशबू लेना शामिल है। यह एक ऐसी प्रक्रिया

है, जिसमें आप मोबाइल और अन्य ध्यान भटकाने वाली चीजों से दूर रहकर प्रकृति के साथ समय बिताते हैं।

तनाव और चिंता में कमी

फॉरेस्ट बाथिंग तनाव वाले हार्मोन कोर्टिसोल के लेवल को कम करती है। जंगल की शांति और हरियाली दिमाग को शांत करती है, जिससे चिंता और अवसाद के लक्षणों में राहत मिलती है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता में सुधार

पेड़-पौधे फाइटोन्साइड्स नामक रसायन छोड़ते हैं, जो हवा में फैलकर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। फॉरेस्ट बाथिंग के दौरान इन रसायनों को सांस के जरिए ग्रहण करने से शरीर में नेचुरल किलर सेल्स बढ़ते हैं, जो गंभीर बीमारियों और वायरल इंफेक्शन से लड़ने में मदद करते हैं।

मानसिक स्पष्टता और एकाग्रता

प्रकृति में समय बिताने से दिमाग तरोताजा होता है, जिससे एकाग्रता और रचनात्मकता बढ़ती है। फॉरेस्ट बाथिंग डिजिटल स्क्रीन के कारण होने वाली मानसिक थकान को कम करती है। इससे आपका फोकस बढ़ता है और प्रोडक्टिवीटी अच्छी होती है।

कैसे शुरू करें?

फॉरेस्ट बाथिंग के लिए किसी खास प्रशिक्षण की जरूरत नहीं है। नजदीकी पार्क, जंगल, या हरे-भरे क्षेत्र में जाएं। फोन को साइलेंट करें, संभव हो तो फोन घर पर ही छोड़कर जाएं और धीरे-धीरे टहलें। गहरी सांस लें, प्रकृति को महसूस करें, और बिना जल्दबाजी के समय बिताएं।

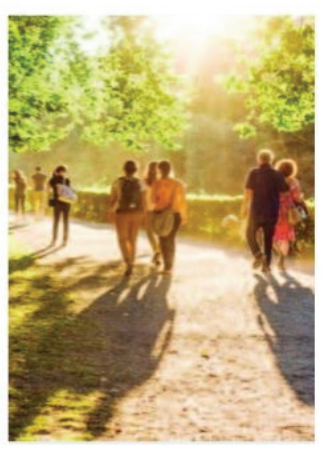

जिले में अब तक 337.5 मि.मी. औसत बारिश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कार्यालय भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में 01 जून 2026 से अब तक 337.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। प्रतिवेदित दिनांक को तहसील बलरामपुर में 12 मि.मी., डौरा-कोचली में 15 मि.मी., कुसमी में 278 मि.मी., सामरी में 23 मि.मी., चांदो में 27.2 मि.मी., शंकरगढ़ में 24.2 मि.मी., रामानुजगंज में 5.2 मि.मी., रामचंद्रपुर में 2 मि.मी., राजपुर में 14.4 मि.मी., वाड्रफनगर में 13.4 मि.मी., रघुनाथनगर में 1.2 मि.मी. तथा चलगली में 22.4 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। इस प्रकार बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में प्रतिवेदित तिथि को कुल 438 मि.मी. वर्षा हुई है।

उप-पंजीयक कार्यालय परिसर बना तालाब

घुटने भर गंदे पानी से गुजरकर रजिस्ट्री कराना मजबूरी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के उप-पंजीयक कार्यालय की बदहाल व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। लगातार हो रही बारिश के बीच कार्यालय परिसर तालाब में तब्दील हो गया है। हालात ऐसे हैं कि जमीन-जायदाद की रजिस्ट्री सहित अन्य जरूरी कार्यों के लिए आने वाले लोगों को गंदे पानी से होकर कार्यालय तक पहुंचना पड़ रहा है। परिसर में जलभराव के कारण फरियादियों के साथ-साथ कर्मचारियों को भी भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। कार्यालय परिसर में कई जगह बारिश का गंदा और कीचड़युक्त पानी जमा है। बरामदा, आंगन और प्रवेश मार्ग पूरी तरह पानी से भर जाने के कारण लोगों का आवागमन प्रभावित हो गया है। परिसर में रखी बेंचें भी पानी में डूब गई हैं, जिससे लोगों के बैठने की व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। मजबूरन फरियादियों को घंटों पानी में खड़े रहकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग रजिस्ट्री, बंधक, दस्तावेजों के पंजीयन तथा अन्य शासकीय कार्यों के लिए इस कार्यालय में पहुंचते हैं। लेकिन कार्यालय की अव्यवस्थित व्यवस्था लोगों की परेशानी बढ़ा रही है। सबसे अधिक दिक्कत बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांगजनों को उठानी पड़ रही है।

जलभराव की वजह से कार्यालय में रखे महत्वपूर्ण अभिलेखों और दस्तावेजों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। यदि लगातार बारिश जारी रही तो कार्यालयीन कार्य प्रभावित होने की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। लोगों का कहना है कि बरसात के दौरान हर साल ऐसी स्थिति बनती है, लेकिन आज तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया। उप-पंजीयक कार्यालय में जलभराव की यह स्थिति न केवल आम लोगों की परेशानी बढ़ा रही है, बल्कि सरकारी व्यवस्थाओं की भी पोल खोल रही है।

बरसात के मौसम में प्रतिदिन सैकड़ों लोगों की आवाजाही वाले इस महत्वपूर्ण कार्यालय में जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होना गंभीर लापरवाही माना जा रहा है। जिम्मेदार विभाग इस समस्या का स्थायी समाधान कब तक करता है, ताकि फरियादियों को राहत मिल सके और सरकारी कार्य बिना किसी बाधा के संपन्न हो सकें।

आयुष्मान महा-अभियान

3 दिन में बने 7,505 कार्ड, हजारों परिवारों को मिलेगा बेहतर स्वा. सुरक्षा कवच

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देश एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कपिल पैकरा के मार्गदर्शन में जिले में 16 से 18 जुलाई तक तीन दिवसीय आयुष्मान कार्ड महाअभियान सफलतापूर्वक संचालित किया गया। अभियान में स्वास्थ्य विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा शिक्षा विभाग के समन्वित प्रयासों से बड़ी संख्या में हितग्राहियों के आयुष्मान एवं वय वंदन कार्ड बनाए गए।।अभियान के दौरान जिले में 6,647 सामान्य आयुष्मान कार्ड तथा 858 आयुष्मान वय वंदन कार्ड तैयार किए गए। इस प्रकार कुल 7,505 कार्ड बनाकर पात्र हितग्राहियों को स्वास्थ्य सुरक्षा योजना से जोड़ा गया।

इसके साथ ही अभियान के दौरान 2,100 आभा आईडी भी बनाई गईं, जिससे नागरिकों का डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई।जिले में अब तक 7 लाख 62 हजार 980 आयुष्मान कार्ड तथा 14 हजार 243 आयुष्मान वय वंदन कार्ड बनाए जा चुके हैं।

एचपीवी टीकाकरण से जिले में 5,181 किशोरियों को मिला सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा कवच

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में युवतियों को गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से 13 से 18 जुलाई तक चलाए गए एचपीवी टीकाकरण विशेष अभियान का समापन हुआ। यू-विन पोर्टल पर 18 जुलाई सायं 4:30 बजे तक दर्ज अंतिम आंकड़ों के अनुसार जिले की कुल 9,111 लक्षित किशोरियों में से 5,181 का टीकाकरण पूर्ण किया जा चुका है, जो कुल लक्ष्य का 56.87 प्रतिशत है। अभियान अवधि में निर्धारित 536 सत्रों में से 459 सत्र आयोजित किए गए, जिससे सत्र संचालन दर 85.6 प्रतिशत रही। ओड़गी 71.27 प्रतिशत कवरेज के साथ जिले में सबसे आगे रहा, जहां 836 किशोरियों का टीकाकरण हुआ। इसके पश्चात भैयाथान 69.56 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जहां 1,019 किशोरियों को टीका लगाया गया। रामानुजनगर में 59.14 प्रतिशत कवरेज के साथ 841 किशोरियों, प्रेमनगर में 56.59 प्रतिशत के साथ 451 किशोरियों, प्रतापपुर में 53.प्रतिशत के साथ 920 किशोरियों तथा सूरजपुर विकासखंड में 44.24 प्रतिशत कवरेज के साथ 1,114 किशोरियों का टीकाकरण संपन्न हुआ।

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि सूरजपुर विकासखंड में लक्षित जनसंख्या सर्वाधिक होने के कारण यहां कवरेज बढ़ाने हेतु आगे विशेष रणनीति के साथ कार्य किया जाएगा।सीएमएचओ डॉ कपिल देव पैकरा ने बताया कि यह वैक्सीन, जो निजी संस्थानों में हजारों रुपये में उपलब्ध होती है, 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं को शासन द्वारा पूर्णत: नि:शुल्क लगाई है।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर 3 वाहनों पर की गई चालानी कार्रवाई

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन में जिले में सड़क सुरक्षा, यात्री सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रभावी पालन के लिए परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सघन जांच अभियान लगातार चलाया जा रहा है। ताकि ओवरलोडिंग, मालवाहक वाहनों पर सवारी तथा स्कूली वाहनों के संचालन में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जा सके।

इसी कड़ी में वाड्रफनगर क्षेत्र में संयुक्त जांच के दौरान मालवाहक के रूप में पंजीकृत दो पिकअप वाहनों में अवैध रूप से सवारियां ले जाते पाए जाने पर उनके विरुद्ध मोटरयान अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई करते हुए 5,300 रुपये का जुर्माना लगाया गया। साथ ही रामानुजगंज क्षेत्र में जांच के दौरान एक स्कूल वैन में परिवहन नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 5,000 रुपये की चालानी कार्रवाई की गई। उक्त कार्यवाही के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने पर कुल 10,300 रुपये का जुर्माना लगाया गया। साथ ही वाहन चालकों को सभी सुरक्षा मानकों एवं परिवहन नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने समझाइश दी गई।

रा.से.यो. की हुई समीक्षा बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारियों की एकदिवसीय समीक्षा बैठक संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम समन्वयक डॉ. एस. एन. पांडे के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर जिला संगठक अमित सिंह बनाफर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता शासकीय रेवती रमण मिश्र महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एच. एन. दुबे ने की। कार्यक्रम अधिकारियों ने एनएसएस के अंतर्गत अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर आगामी सत्र की कार्ययोजना, विशेष शिविरों के सफल संचालन, नियमित गतिविधियों, स्वयंसेवकों की सहभागिता तथा समाजोपयोगी कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने कार्यक्रम अधिकारियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों के अनुरूप समाज सेवा, नेतृत्व विकास, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, मतदाता जागरूकता एवं जनहितकारी अभियानों को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. एच. एन. दुबे ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में सेवा, अनुशासन, नेतृत्व एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने सभी कार्यक्रम अधिकारियों से समर्पण, नवाचार एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। बैठक में शासकीय कन्या नवीन महाविद्यालय के प्राचार्य श्री बृजलाल साहू ने आगामी गतिविधियों के सफल आयोजन का संकल्प व्यक्त किया तथा अपने छात्र जीवन से जुड़े एनएसएस अनुभवों को साझा किया।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और उज्ज्वल भविष्य में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका : कलेक्टर

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने जनपद पंचायत कुसमी के सभाकक्ष में विकासखंड स्तरीय शिक्षा विभाग की बैठक लेकर विस्तार से समीक्षा की। बैठक में विकासखंड शिक्षा अधिकारी, संकुल प्राचार्यों एवं संबंधित अधिकारियों को विद्यालयों के बेहतर प्रबंधन तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी की बोर्ड परीक्षाओं में इस वर्ष शत-प्रतिशत एवं उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने विगत वर्ष के बोर्ड परीक्षा परिणामों की समीक्षा करते हुए प्रत्येक विद्यालय को अपनी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की नियमित पढ़ाई, सतत मूल्यांकन,अतिरिक्त शैक्षणिक सहयोग

सुनिश्चित करे साथ ही उन्होंने कहा कि कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान दें।

कलेक्टर ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति पर विशेष जोर देते हुए कहा कि बच्चों के भविष्य निर्माण और उनके सर्वांगीण विकास में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने विद्यालयों में शिक्षकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रत्येक शिक्षक को अपने दायित्वों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करते हुए शिक्षण गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाने को कहा।

कलेक्टर ने ड्रॉप आउट बच्चों विशेष रूप से बालिकाओं के शत-प्रतिशत प्रवेश पर जोर देते हुए कहा कि कोई भी बालक बालिका शिक्षा से वंचित न हो। उन्होंने पालकों से सतत संपर्क कर बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बालिकाओं की सुरक्षा एवं जागरूकता को महत्वपूर्ण बताते हुए विद्यालयों में गुड टच एवं बैड टच विषय पर नियमित जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने को कहा, ताकि बालिका अपनी सुरक्षा के प्रति सजग बन सकें।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार की जा रही है आगामी दिनों में प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। और आधुनिक तकनीक के माध्यम से शिक्षण कार्य को और बेहतर बनाया जायेगा। इस दौरान उन्होंने उपस्थित जनों का शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने मार्गदर्शन भी किया।उन्होंने कहा कि शिक्षक समूह आधारित, गतिविधि एवं रोचक शिक्षण पद्धति अपनाकर अध्यापन कराएं। उन्होंने नियमित रूप से पालक शिक्षक बैठक कर विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश भी दिए। इस दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण, किचन गार्डन एवं पोषण वाटिका विकसित कर मध्यान्ह भोजन को अधिक पौष्टिक बनाने को कहा।

कलेक्टर ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन, सुरक्षा एवं पोषण पर समान रूप से ध्यान देकर ही बच्चों का समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने सभी से टीम भावना के साथ कार्य करते हुए जिले को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट बनाने का आह्वान किया। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री एम.आर. यादव सहित संबंधित जन मौजूद रहे।

स्वच्छ नगर, सुंदर कार्यालय की अवधारणा को मिला बल, कलेक्ट्रेट एवं जिपं में चला स्वच्छता अभियान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। स्वच्छ भारत मिशन एवं स्वच्छ नगर-सुंदर कार्यालय की परिकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशन में संयुक्त जिला कार्यालय एवं जिला पंचायत कार्यालय परिसर में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिपं सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले के नेतृत्व में अधिकारी, कर्मचारियों तथा नगर पालिका परिषद के सफाई अमले ने श्रमदान करते हुए पूरे परिसर की व्यापक साफ-सफाई की।

अभियान के दौरान संयुक्त जिला कार्यालय भवन के चारों ओर, कार्यालय परिसर, आंगन तथा विभिन्न स्थानों पर उगी गाजर घास एवं अन्य अनावश्यक खरपतवार को हटाया गया। परिसर के प्रत्येक हिस्से की बारीकी से सफाई करते हुए स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित वातावरण सुनिश्चित किया गया। साथ ही एकत्रित कचरे का समुचित निष्पादन भी किया गया।

अधिकारी व कर्मचारियों ने किया श्रमदान व पौधरोपण

स्वच्छता अभियान के अंतर्गत कलेक्ट्रेट एवं जिला पंचायत कार्यालय परिसर की नालियों की सफाई, उद्यानों का रखरखाव, हरित क्षेत्रों का संरक्षण तथा कार्यालय परिसर की समग्र साफ-सफाई की गई। कलेक्टर कार्यालय की दीवारों में लगातार पानी के रिसाव के कारण उग आई घास एवं काई को भी हटाकर परिसर को साफ एवं आकर्षक बनाया गया। अभियान के उपरांत पूरा परिसर स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित स्वरूप में नजर आया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजेंद्र सिंह पाटले एवं डिप्टी कलेक्टर रमेश मोर ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जनभागीदारी से जुड़ा सतत प्रयास है। प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से ही स्वच्छ नगर-सुंदर कार्यालय की संकल्पना को प्रभावी रूप से साकार किया जा सकता है। जिला प्रशासन द्वारा स्वच्छ एवं हरित वातावरण के निर्माण के लिए इस प्रकार के अभियान निरंतर संचालित किए जाते रहेंगे। इस दौरान बड़ी संख्या में अधिकारी कर्मचारी, नगर पालिका का सफाई अमला सहित अन्य उपस्थित रहे।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर
निविदा आमंत्रण तिथि 16.07.2026
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Log in करें http://eproc.cgstate.gov.in
02. संबंधित संभाग-पत्थलगांव संभाग
03. स.क. 01 से 3 "द" वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार
04 ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि- 06.08.2026

सरल क्र.	एनआईटी क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	132	जिला जशपुर फरसाबहार में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सह कृषि आदान सामग्री गोदाम हेतु नवीन भवन का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	54.02
2	133	जिला जशपुर पत्थलगांव में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सह कृषि आदान सामग्री गोदाम हेतु नवीन भवन का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	54.02
3	134	जिला जशपुर पत्थलगांव में कृषि अनुविभागीय अधिकारी हेतु नवीन भवन का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	49.38

अधीक्षण अभियन्ता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

जी-262702200 / 1

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत हुई सफल हृदय सर्जरी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय के लिए राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम नई उम्मीद बनकर सामने आया है। विकासखंड शंकरगढ़ के ग्राम रजवाढोढ़ी निवासी पहाड़ी कोरवा परिवार की चार वर्षीय रेंगची को जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित पाए जाने पर स्वास्थ्य विभाग की आरबीएसके टीम ने समय पर चिन्हांकित किया। आवश्यक जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श के बाद उसे श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल, रायपुर रेफर किया गया। अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में 15 जुलाई 2026 को रेंगची की हृदय की सफल सर्जरी की गई। ऑपरेशन सफल रहा और वर्तमान में बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है। जिसे चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। रेंगची के परिजनों ने बताया कि आर्थिक स्थिति निम्न होने के कारण इतने बड़े उपचार की कल्पना भी संभव नहीं थी। लेकिन राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के माध्यम से उन्हें नि:शुल्क इलाज मिला, जिससे उनके बच्चे को नया जीवन मिला है। उन्होंने शासन , प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग तथा चिकित्सकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिले में कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में शासन की जनकल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाएं समाज के अंतिम छोर पर बसे पहाड़ी कोरवा परिवारों तक भी प्रभावी ढंग से पहुंच रही हैं और जरूरतमंद बच्चों के जीवन में नई आशा का संचार कर रही हैं। इसके तहत राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में समय-समय पर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर गंभीर बीमारियों से पीड़ित बच्चों की पहचान की जाती है तथा उन्हें उच्च चिकित्सा संस्थानों में नि:शुल्क उपचार के लिए भेजा जाता है। इसी सतत प्रयास का परिणाम है कि दूरस्थ एवं विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय के बच्चों तक भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच रही हैं और उन्हें बेहतर उपचार उपलब्ध हो रहा है।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के माध्यम से अब तक जिले के 88268 बच्चों की स्वास्थ्य जांच की जा चुकी है। इनमें से 30 बच्चों को गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए उच्च चिकित्सा संस्थानों में रेफर किया गया, जबकि 26 बच्चों की विभिन्न प्रकार की नि:शुल्क सर्जरी एवं विशेष उपचार सफलतापूर्वक कराए जा चुका है। इन प्रयासों से अनेक बच्चों को नया जीवन मिला है।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

विशेष लोक अदालत में परक्राम्य लिखत अधिनियम सहित 34 मामलों का निपटारा

छह लाख और 75 हजार के चेक का निराकृत, आपसी संबंधों में आई खटास हुई दूर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सरगुजा शक्ति सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में प्रथम बार 18 जुलाई को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881, चेक अनादरण प्रकरण से संबंधित मामलों के त्वरित एवं सौहार्द्रपूर्ण निराकरण हुआ। विशेष लोक अदालत का शुभारम्भ मुख्य न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया। जिला सरगुजा में आयोजित विशेष लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम के प्रकरणों के आपसी राजीनामा के माध्यम से निराकरण हेतु विशेष खण्डपीठों का गठन किया गया था। जिला सरगुजा में आयोजित स्थल नेशनल लोक अदालत के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय अंबिकापुर एवं व्यवहार न्यायालय सीतापुर में कुल 34 प्रकरणों का निराकरण किया गया।

सरगुजा जिले में पहली बार हुआ आयोजन

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव लीनम बनसोड़े ने बताया कि उपरोक्तानुसार जिले में प्रथम बार धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम 1881 के संबंध में आयोजित किए गए लोक अदालत में पक्षकारों के मध्य आपसी सहमति के तहत राजीनामा के आधार पर प्रकरण निराकृत किये गये। बड़ी बात यह है कि इस विशेष लोक अदालत में 5 वर्षों से अधिक समय से लंबित प्रकरणों के निराकरण में भी सफलता मिली है।

75 हजार के चेक का हुआ समझौता

इस विशेष लोक अदालत में खण्डपीठ क्रमांक-02 गिरिवर सिंह राजपूत तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-1 अंबिकापुर के खंडपीठ के समक्ष रखे प्रकरणों में से एक प्रकरण में परिवादी ने अनावेदक को एक लाख पचास हजार रुपये का ऋण दिया था, जिसके भुगतान के लिये अनावेदक ने चेक क्रमांक 000010 राशि 75,000 रुपये भरकर परिवादी को दिया था, जो कि खाते में पर्याप्त रुपये नहीं होने के कारण अनादरित हो गया। चेक अनादरण होने पर परिवादी द्वारा प्रकरण न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। दोनों पक्षकार के मध्य घनिष्ठ संबंध था परंतु पैसे के लेनदेन को लेकर मन-मुटाव हो गया और दोनों पक्ष के रिश्ते खराब हो रहे थे।

राजीनामा के बाद संबंध हुए मधुर

दोनों पक्षों को न्यायालय द्वारा इस विशेष लोक अदालत में उपस्थित होने के लिए नोटिस जारी किया गया था, इसके बाद परिवादी और अनावेदक इस विशेष लोक अदालत में उपस्थित हुए। उभय पक्ष को अपने मन-मुटाव समाप्त कर राजीनामा के लिए समझाइश दी गई, जिस पर दोनों पक्ष आपस में बैठकर विचार किये और आपसी सहमति से प्रकरण राजीनामा करने हेतु सहमत हुए। अनावेदक द्वारा समझौता राशि 75,000 रुपये परिवादी को प्रदान किया। इस प्रकार परिवादी और अनावेदक के मध्य राजीनामा किये जाने से उनका संबंध पुन: मधुर स्थापित हो गया और हंसी खुशी इस विशेष लोक अदालत से अपने घर वापस गये।

छह लाख का चेक हुआ निराकृत

खण्डपीठ क्रमांक 04 पूजा मण्डावी, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, सीतापुर के समक्ष रखे प्रकरणों में से एक प्रकरण में परिवादी द्वारा अनावेदक को 6 लाख रुपये प्रदान किया गया था, जिसके संबंध में परिवादी द्वारा न्यायालय के समक्ष चेक अनादरण का मामला दायर किया गया था। परिवादी एवं अनावेदक को राजीनामा किये जाने के संबंध में समझाइश दी गई थी। दोनों पक्ष शनिवार को स्पेशल लोक अदालत में उपस्थित हुए एवं अनावेदक द्वारा चेक की राशि 6 लाख रुपये परिवादी को प्रदान किया गया। फलस्वरूप स्थापित लोक अदालत के तहत उक्त प्रकरण के पक्षकारों के आपसी सहमति से निराकृत किया गया।

2018 और 2020 के विवाद भी सुलझे

खण्डपीठ क्रमांक 03 प्रांजलि नेताम, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी, सीतापुर के खण्डपीठ में रखे प्रकरणों में से एक प्रकरण में परिवादी एवं अनावेदक के मध्य वर्ष 2018 में विवाद था, जिसमें परिवादी एवं अनावेदक के मध्य आपसी सहमति के आधार पर चेक राशि परिवादी को वापस किये जाने पर प्रकरण राजीनामा के माध्यम से समाप्त किया गया। इसी प्रकार अन्य प्रकरण में परिवादी एवं अनावेदक के मध्य वर्ष 2020 से विवाद था। उक्त प्रकरण में भी परिवादी एवं अनावेदक के मध्य आपसी सहमति से राजीनामा के आधार पर प्रकरण निराकृत किये जाने हेतु सहमति की गई और उक्त प्रकरण विशेष लोक अदालत में आपसी सहमति के आधार पर राजीनामा के माध्यम से निराकृत किया गया। खण्डपीठ के द्वारा एक अन्य प्रकरण, जो कि वर्ष 2021 में लंबित था, में भी पक्षकारों के द्वारा आपसी सहमति से समझौता करने पर विशेष लोक अदालत के तहत निराकृत किया गया।

अव्यवस्था और फीस वृद्धि के खिलाफ क्रमिक भूख हड़ताल की चेतावनी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर में मनमानी फीस वृद्धि, पढ़ाई की लचर व्यवस्था और छात्रों की अन्य समस्याओं को लेकर आयुक्त महोदय, कुलसचिव महोदय एवं प्राचार्य महोदय को ज्ञापन सौंपा।

एनएसयूआई के पदाधिकारियों ने कहा कि, कॉलेज में हर साल फीस में बेतहाशा वृद्धि की जा रही है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के छात्र-छात्राओं पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। इसके साथ ही कॉलेज में पढ़ाई की व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। नियमित कक्षाएं नहीं लग रही हैं, शिक्षकों की कमी है और बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। ज्ञापन के माध्यम से एनएसयूआई ने प्रशासन से 4 दिनों के भीतर ठोस निर्णय लेकर समस्याओं का समाधान करने की मांग की।

छात्र संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि 4 दिनों के भीतर छात्रों की मांगों पर कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो संगठन द्वारा कॉलेज परिसर में क्रमिक भूख हड़ताल शुरू की जाएगी। इस अवसर पर सरगुजा विश्वविद्यालय एनएसयूआई के उपाध्यक्ष ज्ञान तिवारी, शिफ्तैन रजा, अभिनव काशी, आकाश, श्यामा सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आकाशीय बिजली का कहर दो बच्चों की मौत, दो सगे भाई झुलसे

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले में बारिश के दौरान पेड़ के नीचे खड़े चार बच्चों पर आकाशीय बिजली गिर गई। घटना में दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो सगे भाई गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर किया गया है।

यह हादसा लुंड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम नागम बांसपारा में शुक्रवार शाम हुआ। मृतकों की पहचान संदीप नगेसिया (11) और रोशन पनिका (12) के रूप में हुई है। वहीं, घायल प्रभु राम नगेसिया (12) और दिनेश नगेसिया (11) सगे भाई हैं और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

बारिश से बचने पेड़ के नीचे रुके थे बच्चे

जानकारी के अनुसार, चारों बच्चे शुक्रवार शाम घर से खेलने निकले थे। इसी दौरान अचानक तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए सभी बच्चे ग्राम पंचायत नागम के पास सड़क किनारे एक पेड़ के नीचे खड़े हो गए। इसी दौरान तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी और चारों उसकी चपेट में आ गए। ग्रामीणों के मुताबिक, बच्चों के पास मोबाइल फोन भी था। हालांकि, हादसे का कारण बिजली गिरना ही माना जा रहा है।

दो बच्चों की मौके पर मौत, दो की हालत गंभीर

बिजली गिरते ही संदीप और रोशन ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल प्रभु राम व दिनेश को तत्काल धौरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया।

गांव में पसरा मातम-एक ही गांव के चार बच्चों के साथ हुए इस हादसे से पूरे नागम गांव में शोक का माहौल है। पुलिस और प्रशासन ने मामले की जानकारी लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। मौसम विभाग ने भी लोगों से बारिश और आकाशीय बिजली के दौरान खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे खड़े न होने की अपील की है।

भारतीय आदिम जाति सेवक संघ के छत्तीसगढ़ राज्य बोर्ड का गठन, सीएम ने दिलाई शपथ

प्रदेश अध्यक्ष का कुंवर जितेन्द्र, उपाध्यक्ष का कौशल्या साय, संगठन सचिव का सुरेन्द्र साहू को मिला दायित्व

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारतीय आदिम जाति सेवक संघ, नई दिल्ली की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य बोर्ड का विधिवत गठन किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों को मुख्यमंत्री निवास रायपुर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शपथ ग्रहण कराया। छत्तीसगढ़ राज्य बोर्ड में कौशल्या विष्णु देव साय को प्रदेश उपाध्यक्ष, कुंवर जितेंद्र नरसिंह राणा को प्रदेश अध्यक्ष व छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान के प्रदेश सचिव सुरेन्द्र साहु को संगठन सचिव का दायित्व सौंपा गया। इस अवसर पर सुरेन्द्र साहू ने कहा कि भारतीय आदिम जाति सेवक संघ द्वारा सौंपे गए प्रत्येक दायित्व का पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निर्वहन किया जाएगा तथा जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास, सामाजिक समरसता और जनहित के कार्यों को पूरी टीम के साथ मिलकर आगे बढ़ाया जाएगा। संगठन के सचिव विनय मालवीय ने भी पद की शपथ ली और संगठन के लिए एक साथ कदम मिलाकर काम करने की बात कही। इस अवसर पर भारतीय आदिम जाति सेवक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश कुमार उईके, राष्ट्रीय महामंत्री अजय कुमार चैबे, राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं देश के 27 राज्यों से पधारे कार्यकारी समिति के सदस्य साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ ममता साहू, छत्तीसगढ़ दिव्यांग आयोग के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया, छत्तीसगढ़ राज्य अंत्योदय आयोग के अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार बेसरा सहित कई विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति रही।

निमोरा में हुई पहली कार्यकारिणी की बैठक

बीते 14 जुलाई को ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान, निमोरा रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य बोर्ड की प्रथम कार्यकारिणी बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन के विस्तार, बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ में जनजातीय विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार एवं सामाजिक उत्थान से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। सभी पदाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में किए जा रहे सामाजिक कार्यों का परिचय देते हुए संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया। बैठक को संबोधित करते हुए कौशल्या विष्णु देव साय ने संगठन के प्रत्येक कार्य में पूर्ण सहयोग का विश्वास दिलाया तथा प्रदेश स्तर पर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने की बात कही। राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश कुमार उईके ने पेसा कानून, ग्राम स्वावलंबन, युवा सशक्तिकरण एवं जनजातीय समाज के समग्र विकास को संगठन की प्राथमिकता बताते हुए सभी पदाधिकारियों से सेवा, समर्पण और संगठन की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। दो दिवसीय यह आयोजन संगठन की एकजुटता, सेवा भावना और जनजातीय समाज के उत्थान के प्रति सामूहिक संकल्प का प्रेरणादायी उदाहरण रहा।

खेत जोतते समय ट्रेक्टर से गिरे ग्रामीण की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खेत जोताई करते समय ग्रामीण अनियंत्रित होकर ट्रेक्टर से गिर गया। अंबिकापुर लाते तक उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, धौरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जोरी का परमेश्वर सिंह पिता स्व. भेटल राम 38 वर्ष, शुक्रवार को अपना खेत जोतने के लिए गांव से ही किसी का ट्रेक्टर लेकर आया था और दिन में करीब 11 बजे स्वयं जोताई का काम कर रहा था। इसी दौरान वह अचानक ट्रेक्टर से गिर गया, जिसमें उसे अंदरूनी चोटें आई थी। इसकी जानकारी मिलने पर स्वजन मौके पर पहुंचे और उसे धौरपुर स्वास्थ्य केन्द्र ले गए। यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, सुषमा सुपुत्री श्री सहादन राम, निवासी ग्राम-लुण्ड्री-राँची, झारखण्ड मैं शपथपूर्वक कथन करती हूं कि मैं ग्राम- लुण्ड्री,, पोस्ट-टाँगर थाना-चान्हो, जिला-राँची, झारखंड की स्थायी निवासी हूँ। मेरा पुराना नाम सुषमा है तथा मैं अपना नाम बदलकर सुषमा केरकेट्टा (नया नाम) करवाना चाहती हूँ। मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है। मै नाम बदलकर, यदि कोई, गैर कानूनी काम करती हूँ तो उसके लिए मैं पूर्णत: स्वयं रहूंगी। मैं यह शपथ पत्र अपने पुरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रही हूँ तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रही हूँ।

जिस हेतु मैं स्वयं का शपथ पत्र निष्पादित कर रही हूं।

भवदीय
सुषमा
सुपुत्री श्री सहादन राम
निवासी- ग्राम-लुण्ड्री-राँची

अच्छे संस्कार, अनुशासन, ईमानदारी और सेवा-भाव की बदौलत बनेंगे जिम्मेदार नागरिक

सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य व अपराध पर जागरूकता कार्यक्रम

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाषनगर द्वारा बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और अपराध से संबंधित विषय पर कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि प्रो. अनिल कुमार सिन्हा, प्राचार्य राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शिल्पा पाण्डेय सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा कि, शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि एक बेहतर समाज के निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है। एक शिक्षित और जागरूक व्यक्ति न केवल अपने जीवन को सफल बनाता है, बल्कि अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। इसलिए प्रत्येक शिक्षक और विद्यार्थी की समाज के प्रति विशेष जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि, समाज में आज भी कई बच्चे आर्थिक, सामाजिक एवं पारिवारिक कठिनाइयों के कारण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। ऐसे बच्चों तक शिक्षा, मार्गदर्शन और प्रेरणा पहुंचाना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने आगे कहा कि समाज सेवा केवल दान देने का नाम नहीं है, बल्कि दूसरों की समस्याओं को समझकर उनके समाधान में सहयोग देना ही सच्ची सेवा है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वे अपने ज्ञान, प्रतिभा और ऊर्जा का उपयोग केवल अपने भविष्य के लिए ही नहीं, बल्कि समाज के उत्थान के लिए भी करें। अच्छे संस्कार, अनुशासन, ईमानदारी और सेवा-भाव ही आपको एक जिम्मेदार नागरिक बनाएंगे। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा व कार्यक्रम अधिकारी रासेयो रानी रजक ने कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय देकर उपस्थित अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय से सहायक प्राध्यापक उर्मिला यादव, मिथलेश कुमार गुर्जर, सविता यादव, सीमा बंजारे, पूजा रानी, ज्योत्सना राजभर, अर्चना सोनवानी, गोल्डन सिंह, अजीत सिंह परिहार, नितेश कुमार यादव, सुन्दर राम एवं बी.एड द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।

एक छोटी सी सूचना से रूक सकती है बड़ी घटना

गांधीनगर थाना प्रभारी प्रवीण कुमार द्विवेदी ने कहा कि आज के समय में अपराधी नए तरीके अपनाकर लोगों को ठगने का प्रयास कर रहे हैं, इसलिए हमें सतर्क और जागरूक रहने की आवश्यकता है। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। आपकी एक छोटी-सी सूचना किसी बड़ी घटना को रोक सकती है। विशेष रूप से हमारी माताओं, बहनों और बेटियों की सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि किसी भी प्रकार की परेशानी या अपराध दिखाई दे, तो चुप न रहें। साथ ही सड़क पर वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग बिल्कुल न करें तथा सभी यातायात नियमों का पालन करें। नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और भविष्य तीनों को नुकसान पहुंचाता है, इसलिए हमें हर प्रकार के नशे से दूर रहना चाहिए।

मोबाइल की जगह परिवार के साथ समय बिताएं

मनीष सिंह ने कहा कि, वर्तमान समय में मोबाइल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। यह ज्ञान, शिक्षा और संचार का एक अच्छा माध्यम है, परंतु इसका अत्यधिक उपयोग लत का कारण बन जाता है। इसलिए हमें तकनीक का उपयोग आवश्यकता के अनुसार और संतुलित रूप से करना चाहिए। परिवार हमारे जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है। परिवार के साथ समय बिताएं, उनसे संवाद करें। समाज में शिक्षित एवं जागरूक नागरिक बनकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। इससे मानसिक तनाव, अकेलापन और अवसाद जैसी समस्याओं से भी बचा जा सकता है। अपने जीवन में स्पष्ट लक्ष्य और दृढ़ संकल्प रखें। संकल्प शक्ति ही व्यक्ति को सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाती है।

विधानसभा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री से जिला पंचायत सदस्यों की मांगों को लेकर मुलाकात

छ.ग.फ्रंटलाइन भटगांव। छत्तीसगढ़ के जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों की विभिन्न मांगों को लेकर प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को ज्ञापन सौंपा। लवकेश पैकरा ने जिला पंचायत जनप्रतिनिधियों की समस्याओं और मांगों को मजबूती से शासन के समक्ष रखा। ज्ञापन में जिला पंचायत जनप्रतिनिधियों ने चार प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें जिला पंचायत विकास निधि की राशि 50 लाख रुपये करने, जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों को प्रतिमाह 50 हजार रुपये मानदेय देने, विकसित भारत जी राम जी योजनांतर्गत जिला पंचायत जनप्रतिनिधियों के अनुदान को अनिवार्य करने तथा डीएमएफ की राशि में जिला पंचायत सदस्यों के प्रस्तावों को भी शामिल करना शामिल है। प्रतिनिधि मंडल ने ज्ञापन में कहा है कि जिला पंचायत सदस्य लगभग 50 हजार मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन पर्याप्त निधि और संसाधनों के अभाव में वे आम जनता की अपेक्षाओं पर पूरी तरह खरे नहीं उतर पा रहे हैं। इसलिए शासन से सभी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया गया। जिला पंचायत सदस्यों ने ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर अपनी एकजुटता दिखाई। लवकेश पैकरा ने कहा कि यदि जनप्रतिनिधियों को पर्याप्त अधिकार और संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे तो वे ग्रामीण क्षेत्रों के विकास कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा सकेंगे। उन्होंने राज्य सरकार से जिला पंचायत प्रतिनिधियों के हित में सकारात्मक निर्णय लेने की अपेक्षा जताई।

पुनर्गठन अधिनियम की बाध्यता समाप्त होने से पेंशनरों को मिलेगी राहत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) की बाध्यता समाप्त होने पर भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ ने प्रसन्नता व्यक्त की है। अब तक इस धारा के कारण छत्तीसगढ़ के पेंशनरों को महंगाई राहत भत्ता केंद्र सरकार की देय तिथि से नहीं मिल पा रहा था। मध्य प्रदेश सरकार के वित्त विभाग द्वारा आदेश जारी कर इस बाध्यता को हटाए जाने से अब केंद्र के साथ-साथ राज्य के पेंशनरों को भी उसी तिथि से डीआर का लाभ मिलेगा। इसके लिए अब मध्य प्रदेश सरकार की सहमति आवश्यक नहीं होगी। महासंघ के प्रांताध्यक्ष वीरेंद्र नामदेव के लगातार पत्राचार एवं प्रयासों से पेंशनरों को यह राहत मिल पाई है। सरगुजा संभाग सहित पूरे प्रदेश के पेंशनरों में इस निर्णय से खुशी का माहौल है। महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप सोनी, संभागीय अध्यक्ष गुरुचरण सिंह सहित डॉ. एस.पी. वैश्य, अनिल तिवारी, मानिक चंद्र, प्रेमचंद गुप्ता, एस.एन. कुशवाहा, बी.सी. अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारियों ने इसके लिए सरकार का आभार जताया। संघ ने सरकार से मांग की है कि, जनवरी 2026 से लंबित 2 प्रतिशत महंगाई राहत भत्ते का आदेश भी तत्काल जारी कर पेंशनरों को राहत प्रदान किया जाए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर